सान्ध्य हिन्दी दैनिक जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष - 02 | अंक - 151 | जौनपुर, सोमवार, 26 फरवरी 2024 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज - 4 | मूल्य - 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

उपराज्यपाल ने दिल्ली सरकार को सदन में जल्द बजट पेश करने को कहा

नई दिल्ली, एजेंसी। उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने दिल्ली सरकार को जल्द सदन के पटल पर बजट रखने को कहा है। इसे लेकर उन्होंने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को पत्र लिखकर कहा है कि 19 फरवरी को ही राष्ट्रपति ने बजट को मंजूरी दे दी थी। इसके बावजूद बजट को सदन के पटल पर नहीं रखा गया। उन्होंने मंत्रिपरिषद की सलाह पर 15 फरवरी को विधानसभा के बजट सत्र को संबोधित किया था। इसमें आगामी वित्तीय वर्ष के दौरान सरकार की नीतियों, कार्यक्रमों और नए क्षेत्र में होने वाले कार्यक्रम की जानकारी दी थी। साथ ही, सदन को आश्वासन दिया था कि वित्त मंत्री बजट भाषण में विस्तार से जानकारी देंगी, लेकिन बजट प्रस्तुत करने की जगह वित्त मंत्री ने बताया कि वार्षिक वित्तीय विवरण (बजट) की प्रस्तुति में दिल्ली सरकार ओर से इसे अंतिम रूप देने में देरी होगी। साथ ही, गृह मंत्रालय से मंजूरी हासिल करने के लिए अतिरिक्त समय की जरूरत होगी। उपराज्यपाल ने कहा कि सूचना मिली है कि 19 फरवरी से बजट सरकार के पास उपलब्ध है और अभी तक उपराज्यपाल कार्यालय में नहीं पहुंचा। इसके बाद स्थापित विधि के अनुसार सदन में रखा जाएगा। उन्होंने कहा कि बजट सत्र के आयोजन से पूर्व सरकार ने बताया था कि बजट सत्र 15 से 21 फरवरी तक होगा।

आठवीं कक्षा के छात्र की धारदार हथियार से वारकर हत्या

नई दिल्ली, एजेंसी। उत्तर-पूर्वी दिल्ली के न्यू उस्मानपुर इलाके के ब्रह्मपुरी में शुक्रवार दोपहर आठवीं कक्षा के छात्र की धारदार हथियार से वारकर हत्या कर दी गई। मृतक की शिनाख्त सागर राघव (14) के रूप में हुई है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर मोर्चरी भेज दिया है। क्राइम टीम के अलावा एफएसएल की टीम ने मौके से साक्ष्य जुटाए हैं। परिजनों ने आरोप लगाया है कि स्कूल का ही एक छात्र सभी बच्चों के साथ झगड़ा करता था। उसने ही वारदात को अंजाम दिया है। पुलिस परिजनों व प्रत्यक्षदशियों का बयान लेकर मामले की जांच कर रही है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज से भी मामले की पड़ताल की जा रही है। सागर अपने परिवार के साथ गली नंबर-2, ब्रह्मपुरी में रहता था। इसके परिवार में पिता संजीव राघव उर्फ संजू, मां नीलम देवी, दो छोटी बहनें परी, यशीका, दादा ओमवीर, दादी गीता और एक दिव्यांग चाचा अतुल राघव है। संजीव पेशे से कार चालक हैं। वह गांव घोंडा स्थित एक पब्लिक स्कूल में आठवीं कक्षा का छात्र था। वह स्कूल गया था। छुट्टी के बाद वह पैदल घर की ओर निकला। इस बीच रास्ते में डेढ़ गली-संत रविदास गली, ब्रह्मपुरी में आरोपी ने सागर को रोककर धारदार हथियार से

राष्ट्र सुरक्षा को न आउटसोर्स किया जा सकता, न दूसरों पर निर्भर रहा जा सकता – सेना प्रमुख

नई दिल्ली, एजेंसी। थलसेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे ने शनिवार को कहा कि देश की सुरक्षा को न तो आउटसोर्स किया जा सकता है

और न ही इसके लिए दूसरों पर निर्भर रहा जा सकता है। उन्होंने कहा, ''भविष्य की चुनौतियों से निपटने के लिए जरूरी सैन्य उपकरणों के मामले में हमारा आत्मनिर्भर बनना बहुत ही जरूरी है। सेना प्रमुख ने एक रक्षा सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि सेना की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए जरूरी है कि आयात पर निर्भरता कम से कम की जाए, जो भविष्य के लिए तैयार होने की योजना में बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा, देश की सुरक्षा के संरक्षक होने के नाते हम अपनी क्षमता विकास आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए आयात पर पूर्ण रूप से निर्भर नहीं हो सकते और इस बात से हम भलीभांति अवगत हैं। भविष्य के लिए तैयार रहना हमारी योजना में यह महत्वपूर्ण पहलू है। सेना प्रमुख ने फर्स्टपोस्ट रक्षा शिखर सम्मेलन में कहा कि कोविड-19 वैश्विक महामारी और दुनिया भर में चल रहे संघर्षों ने जरूरी सैन्य उपकरणों के लिए बाहरी निर्भरता के प्रभाव को दर्शाया है। उन्होंने कहा, जमीनी लड़ाई में प्रौद्योगिकी एक नए रणनीतिक क्षेत्र के रूप में उभर रही है। वैश्विक महामारी के दौरान महत्वपूर्ण उपकरणों के लिए दूसरे देशों पर निर्भरता और आपूर्ति श्रृंखला में बाधा का प्रभाव सामने आया तथा दुनिया भर में चल रहे संघर्षों से हमने यह सबक भी सीखा।

भारत की नारी शक्ति हर क्षेत्र में प्रगति की नयी ऊंचाइयां छू रही - पीएम मोदी

नयी दिल्ली, एजेंसी। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस से कुछ दिन पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को नारी शक्ति की प्रशंसा की और कहा कि वे हर क्षेत्र में प्रगति की नई ऊंचाइयों को छू रही हैं। मोदी ने अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम मन की बात की 110वीं कड़ी में कहा कि आठ मार्च को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस देश की विकास यात्रा में नारी शक्ति के योगदान को सलाम करने का अवसर है। उन्होंने कहा, ''महान कवि भरतियार जी ने कहा है कि दुनिया तभी समृद्ध होगी जब महिलाओं को समान अवसर मिलेंगे। आज भारत की नारी शक्ति हर क्षेत्र में प्रगति की नई ऊंचाइयों को छू रही है।'' उन्होंने कहा कि कुछ साल पहले तक किसने सोचा होगा कि भारत में भी गांवों में रहने वाली महिलाएं ड्रोन उड़ाएंगी। उन्होंने कहा, ''लेकिन आज यह संभव हो रहा है। आज हर गांव में ड्रोन दीदी की कितनी चर्चा है। नमो ड्रोन दीदी, नमो ड्रोन दीदी हर किसी की जुबान पर है। सुनिता ने अपने ड्रोन प्रशिक्षण के बारे में बात की और बताया कि यह खेती में कैसे मदद करता है। मोदी ने कहा, ''आज देश में कोई ऐसा क्षेत्र नहीं है जहां नारी शक्ति पीछे रह गई हो। एक अन्य क्षेत्र जहां महिलाओं ने अपनी नेतृत्व क्षमता का प्रदर्शन किया है, वह प्राकृतिक खेती, जल संरक्षण और स्वच्छता है। देश की

मातृशक्ति धरती मां को बचाने में बड़ी भूमिका निभा रही है जो रसायनों के कारण पीड़ा और कठिनाइयों का सामना कर रही हैं। महिलाएं अब प्राकृतिक खेती को देश के हर कोने में पहुंचा रही हैं। अगर जल जीवन मिशन के तहत देश में इतना काम हो रहा है तो उसमें जल समितियों की बड़ी भूमिका रही है। इन जल समितियों का नेतृत्व केवल महिलाओं के पास है। इसके अलावा बहनें- बेटियां जल संरक्षण के लिए भरसक प्रयास कर रही हैं।

भारत में स्वास्थ्य के क्षेत्र में पिछले 10 वर्षों में ऐतिहासिक कार्य हुए - सीएम पुष्कर धामी

ऋषिकेश, एजेसी। एम्स ऋषिकेश में नेशनल मेडिकोज ऑर्गेनाइजेशन कॉन्क्लेव-2024 के 43वें दो दिवसीय राष्ट्रीय अधिवेशन के शुभारम्भ कार्यक्रम में उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शिरकत की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री धामी ने अधिवेशन में आए चिकित्सक एवं छात्रों का उत्तराखंड में स्वागत करते हुए कहा कि स्वामी विवेकानंद को अपना आदर्श मानने वाला यह संगठन निरंतर 'नर सेवा नारायण सेवा' के भाव से देश में अपनी स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान कर रहा है। देश के विभिन्न स्थानों पर चिकित्सकों और छात्रों द्वारा स्वास्थ्य से जुड़े विभिन्न विषयों पर चिंतन करना सराहनीय प्रयास है। इस प्रकार ''स्वास्थ्य सेवा से राष्ट्र सेवा'' और ''स्वास्थ्य सेवा ही राष्ट्र सेवा'' के सिद्धांत को अपनाकर संगठन अंत्योदय की भावना से कार्य कर रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में भारत में स्वास्थ्य के क्षेत्र में

पिछले 10 वर्षों में ऐतिहासिक कार्य हुए हैं। स्वास्थ्य के विभिन्न क्षेत्रों में निरंतर सुधार जारी है, इनमें सस्ते उपचार व दवाइयां, ग्रामीण स्तर पर आधुनिक स्वास्थ्य सुविधाएं, मानव संसाधन का विकास और स्वास्थ्य सेवा तक पहुंच बढ़ाने के लिए तकनीक का उपयोग आदि शामिल है। उन्होंने कहा कि केंद्र एवं राज्य सरकार स्वास्थ्य सेवा में अंत्योदय की सोच के साथ कार्य कर रही है। पिछले दस वर्षों में देश में 200 से अधिक नए मेडिकल कॉलेजों का निर्माण हुआ है। वर्तमान में 22 से अधिक एम्स में लोगों को स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की जा रही हैं। साथ ही योग और आयुष को लेकर देश में और अधिक जागरूकता आई है। विश्व में योग को लेकर आकर्षण बढ़ा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वच्छ भारत अभियान एवं जल जीवन मिशन ने कई रोगों की रोकथाम में सहायता की है। पोषण अभियान देश में कुपोषण को नियंत्रित करने में सहायक सिद्ध हुआ है। राष्ट्रीय टेली-मेडिसिन सेवा-ई- संजीवनी ने सूचना और संचार प्रौद्योगिकी का उपयोग सुदूर क्षेत्र में स्थित रोगियों के डायग्नोसिस, उपचार और प्रबंधन को सक्षम करने के लिए किया है। इनके उपयोग से सुदूर गांव में रहने वाला कोई व्यक्ति भी शहरों में रहने वाले चिकित्सकों से शुरुआती परामर्श प्राप्त कर सकता है।

इंडिया' गठबंधन को वोट दें ताकि आपकी आवाज संसद में सुनी जा सके – केजरीवाल

नयी दिल्ली, एजेंसी। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने रविवार को दिल्ली के लोगों से लोकसभा चुनावों में 'इंडिया' गठबंधन के उम्मीदवारों के पक्ष में मतदान करने की अपील की, ताकि उनकी आवाज संसद में सुनी जा सके और पानी का बढ़ा हुआ बिल माफ कर दिया जाए। राष्ट्रीय राजधानी में पानी के बढ़े हुए बिल के खिलाफ यहां आम आदमी पार्टी (आप) द्वारा आयोजित विरोध प्रदर्शन को संबोधित करते हुए केजरीवाल ने हल्के-फुल्के अंदाज में कहा कि प्रतिकूल परिस्थितियों के बावजूद सरकार चलाने के लिए उन्हें 'नोबेल पुरस्कार' दिया जाना चाहिए। आप के राष्ट्रीय संयोजक ने कहा, ''लोकसभा चुनाव में दिल्ली से 'इंडिया' गठबंधन के उम्मीदवारों के पक्ष में मतदान कर उन्हें संसद में भेजिए। इससे दिल्ली के चारों ओर एक सुरक्षा कवच तैयार हो जाएगा और कोई भी उपराज्यपाल कुछ नहीं कर पाएगा।'' उन्होंने कहा, ''मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि लोकसभा चुनाव और 'इंडिया' गठबंधन के उम्मीदवारों की जीत के 15 दिनों के भीतर आपका पानी का बिल शून्य हो जाएगा।''

'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' (इंडिया) के सहयोगी दल आप और कांग्रेस ने दिल्ली की कुल सात लोकसभा सीट में से क्रमशः चार और तीन सीट पर चुनाव लड़ने के लिए समझौता किया है। आप नेता ने कहा कि करीब 11 लाख परिवार ऐसे हैं जिन्हें पानी का बढ़ा हुआ बिल मिला है। केजरीवाल ने कहा, ''आप सरकार आपकी सरकार है। अगर भाजपा सत्ता में होती तो पानी की आपूर्ति रोक देती। जिन लोगों को लगता है कि आपको पानी का बिल बढ़ा हुआ आया है तो आपको उसका भुगतान करने की जरूरत नहीं है।'' उन्होंने आरोप लगाया, ''हमने पानी के बिल में सुधार करने की योजना बनाई। भाजपा के लोगों ने उप राज्यपाल के जरिए योजना बंद करा दी। अधिकारी सचमुच परेशान हैं और कह रहे हैं।

नीतीश कुमार ने सिमरिया धाम के विकास के लिए 115 करोड़ रुपए की योजनाओं का किया लोकार्पण

बिहार, एजेंसी। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शनिवार को बेगूसराय जिले के सिमरिया ध

ाम स्थल के विकास और सौंदर्यीकरण की 115 करोड़ रुपये की लागत की विभिन्न योजनाओं का लोकार्पण किया। गंगा नदी के किनारे अवस्थित सिमरिया धाम के निकट सीढ़ी घाट, धर्मशाला, पार्क का निर्माण, स्नान घाट एवं चेंजिंग रूम, धार्मिक अनुष्ठान हेतु मंडप निर्माण एवं गंगा आरती के लिए निर्धारित स्थल, घाट के समानांतर स्नान के लिए सुरक्षा व्यवस्था एवं बैरिकेडिंग, शेडेड कैनोपी, वॉच टावर, श्रद्धालुओं के बैठने की व्यवस्था एवं लैंड स्केपिंग सहित अन्य सौंदर्गीकरण कार्य किया गया है। लोकार्पण के बाद मुख्यमंत्री ने सिमरिया घाट का जायजा लिया और अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। बेगूसराय जिले के बरौनी प्रखंड अंतर्गत उत्तरवाहिनी गंगा नदी के बाएं तट पर अवस्थित सिमरिया घाट प्राचीन काल से ही आध्यात्मिक एवं धार्मिक दृष्टिकोण से प्रसिद्ध रहा है। सिमरिया स्थल को वैदिक काल से ही कुंभ स्थली एवं कल्पवास के लिए महत्त्वपूर्ण स्थान होने का गौरव प्राप्त है, जहां कार्तिक माह में प्रतिवर्ष कल्पवास मेला लगता है। श्रद्धालुओं की आस्था को देखते हुए राज्य सरकार द्वारा वर्ष 2012 में कल्पवास मेले को राजकीय मेले के रूप में घोषित

मध्य प्रदेश में बीजेपी कार्यकर्ताओं को अमित शाह ने किया संबोधित

मध्य प्रदेश, एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भाजपा कार्यकर्ताओं से आगामी लोकसभा चुनाव में 400 से अधिक सीट जीतने का लक्ष्य हासिल करने के लिए पिछले आम चुनाव की तुलना में प्रत्येक बूथ पर 370 अतिरिक्त वोट हासिल करने का प्रयास करने को कहा। शाह मध्य प्रदेश की चार लोकसभा सीट- मुरैना, भिंड, गुना और ग्वालियर के ग्वालियर-चंबल 'क्लस्टर' की बूथ प्रबंधन समिति के लगभग 400 नेताओं और कार्यकर्ताओं से बात कर रहे थे। बैठक में हिस्सा लेने वाले भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के एक स्थानीय नेता ने शाह को उद्धृत करते हुए कहा कि पार्टी के लिये हर एक मत महत्वपूर्ण है। शाह ने कहा कि उन्होंने कार्यकर्ताओं से पिछले चुनाव की तुलना में प्रत्येक बूथ पर 370 अतिरिक्त वोट सुनिश्चित करने को कहा। नेता ने शाह के हवाले से कहा कि लोकसभा चुनाव में लगभग 100 दिन बचे हैं। केंद्रीय मंत्री ने जमीनी स्थिति जानने के लिए पार्टी के कुछ नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ एक-एक कर बैठक की और लोकसभा चुनाव में जीत सुनिश्चित करने के लिए उनके साथ रणनीतियों पर चर्चा की। नेता ने कहा कि उन्होंने (शाह ने) भाजपा कार्यकर्ताओं से लोकसभा चुनाव में पार्टी का मत प्रतिशत 10 फीसदी बढ़ाने का प्रयास करने का आग्रह किया। नेता ने कहा, उन्होंने भाजपा

कार्यकर्ताओं से लोकसभा चुनाव में पार्टी का मत प्रतिशत 10 प्रतिशत बढ़ाने का प्रयास करने का आग्रह किया। मुख्यमंत्री मोहन यादव, केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधि ाया और राज्य भाजपा प्रमुख वी. डी. शर्मा ने शाह का यहां पहुंचने पर गर्मजोशी से स्वागत किया।

युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने वालों को सबक सिखाया जाएगा - सीएम योगी

लखनऊ, संवाददाता। पुलिस भर्ती परीक्षा में कथित प्रश्नपत्र लीक मामले में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ऐसे तत्वों को खुली चेतावनी दी है जो युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने से बाज नहीं आ रहे हैं। सीएम योगी ने दो टूक कहा है कि युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ करना राष्ट्रीय पाप है और इसमें लिप्त लोगों को ऐसा सबक सिखाया जाएगा कि वो ना घर के रहेंगे ना घाट के। ऐसे तत्वों के खिलाफ होने वाली कार्रवाई भविष्य के लिए नजीर के रूप में याद रखी जाएगी। रविवार को लोकभवन में विभिन्न विभागों में करीब 1800 पदों पर निष्पक्ष और परदर्शी ढंग से चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र सौंपने के उपरांत सीएम योगी आदित्यनाथ कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हमारा पहले दिन से ही संकल्प है कि नियुक्ति की प्रक्रिया अगर ईमानदारी से आगे नहीं बढ़ पा रही है तो ये युवाओं के साथ खिलवाड़ है और अपनी प्रतिभा को पलायन के लिए मजबूर करता है। अगर युवा के साथ अन्याय होता है तो यह राष्ट्रीय पाप है। पहले दिन से ही हमने तय किया है कि युवाओं के जीवन और भविष्य के साथ जो भी खिलवाड़ करेगा हम जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाकर उन तत्वों से उतनी ही सख्ती और कठोरतम तरीके से निपटने का काम करेंगे। हमारे युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने की कोशिश करने वालों के खिलाफ सरकार पहले भी कार्रवाई करती रही है और एक बार फिर कड़ी कार्रवाई करने जा

रही है। सीएम योगी ने कहा कि हम सभी तकनीक का उपयोग करते हैं। इसी तरह ऐसे तत्व भी तकनीक का उपयोग गलत कार्य के लिए करते। कई बार सोचता हूं कि वो लोग तकनीक का इस्तेमाल करके अच्छे काम करते तो आगे बढ़ते और खुशहाल होते। मगर अब वे न घर के रहेंगे न घाट के और सरकार की कार्रवाई ऐसी होगी कि जो दूसरों के लिए नजीर बनेगी।

निष्पक्ष चयन प्रक्रिया सरकार की शीर्ष प्राथमिकता

मुख्यमंत्री ने अलग अलग विभगों में चयनित युवाओं को प्रदेश की सेवाओं में आने के लिए शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी का विजन ही डबल इंजन सरकार का मिशन भी है। निष्पक्षता और पारदर्शी तरीके से हर नौजवान को उसका अधिकार प्राप्त हो सके, सरकार इसके लिए पूरी प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है। उसी का परिणाम है कि पिछले 7 साल में 6 लाख से अधिक युवाओं को अब तक प्रदेश के शासकीय विभागों में नौकरियां प्रदान की गई हैं। नियुक्ति की प्रक्रिया सभी आयोगों और बोर्डों के माध्यम से निरंतर जारी है। एक तरफ सरकारी विभागों में पूरी सुचिता और पारदर्शिता पूर्ण तरीके से नियुक्ति की प्रक्रिया को संपन्न किया जा रहा है, वहीं नौकरी और रोजगार की नई संभावनाओं के लिए जो प्रयास प्रारंभ किये गये हैं उनके सार्थक परिणाम हमें देखने को मिल रहे हैं। सीएम योगी ने यूपी ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2023 के दौरान मिले 40 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव और ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी 2024 के दौरान 10 लाख 24 हजार करोड़ के निवेश के शिलान्यास को प्रदेश की बदलती तस्वीर के रूप में पेश किया। उन्होंने कहा कि इन निवेशों की वजह से प्रदेश के 34 लाख नौजवानों को सीधे सीधे नौकरी और रोजगार के अवसर मिलेंगे। ये 34 लाख युवा पहले नौकरी और रोजगार की तलाश में महाराष्ट्र, दिल्ली, बेंगलूरु, तमिलनाडु जाता, मगर आज उसे कहीं जाने की जरूरत नहीं है, उसे अपने जिले और अपने प्रदेश में नौकरी मिल रही है। समय से ऑफिस आएं, ईमानदारी से करें काम, नियुक्ति मिलना मंजिल नहीं केवल पड़ाव है सीएम योगी ने नवचयनित अभ्यर्थियों से अपील की कि वे ईमानदारी पूर्वक अपनी जिम्मेदारी निभाते हुए प्रदेश और देश के विकास पर अपना फोकस रखें। साथ ही गरीबों के प्रति संवेदनशील व्यवहार के साथ ही जवाबदेही व जिम्मेदारी के साथ कार्य करते हुए विकसित भारत की संकल्पना को साकार करने के लिए कार्य करें।

संपादकीय

छोटे मतभेदों की संकीर्णता

पिछले हफ्ते, स्कॉटिश नेशनल पार्टी द्वारा प्रायोजित गाजा में युद्धविराम की मांग करने वाले एक प्रस्ताव पर हाउस ऑफ कॉमन्स में एक प्रक्रियात्मक झगड़ा हुआ था। अपने आप में मामूली, यह झगड़ा ब्रिटिश लेबर पार्टी के बहुसंख्यकवादी अधिकार की ओर बढ़ने के एक लक्षण के रूप में महत्वपूर्ण था। युद्धविराम बहस पर बाद की मीडिया टिप्पणी में संसदीय प्रक्रिया के आर्काना और गाजा में युद्ध की भयावहता के बीच की दूरी की निंदा की गई। एसएनपी, कंजरवेटिव और लेबर की राजनीतिक गणनाओं की छोटे मतभेदों की संकीर्णता के रूप में आलोचना की गई। एसएनपी के प्रस्ताव में श्रम संशोधन को स्वीकार करने के स्पीकर के अभूतपूर्व निर्णय पर कॉमन्स में हंगामे को गाजा में हिंसा को समाप्त करने के सर्वोत्तम तरीके के बारे में गंभीर बहस के बजाय राजनीतिक लाभ हासिल करने के लिए डिजाइन की गई कुटिलता के रूप में चित्रित किया गया था। इस दृष्टिकोण में, तत्काल युद्धविराम (एसएनपी), तत्काल मानवीय युद्धविराम (श्रम) और मानवीय विराम (रूढ़िवादी) के बीच कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं था। सदन में शोर और रोष पर दूसरी आपत्ति इन मतभेदों को दूर करने की बेरुखी थी जब मुख्य प्रतिद्वंद्वी, इजराइल और हमास, दूर के विपक्षी दलों की राय के प्रति उदासीन थे। यह दोनों मुद्दों पर बहस का विकृत गलत अर्थ था। सबसे पहले, एसएनपी के युद्धविराम प्रस्ताव और इसके प्रस्तावित संशोधनों पर राजनीतिक पैंतरेबाजी वास्तविक मतभेदों पर लड़ाई थी। स्टार्मर ने इसे पहचानारू वह लेबर को तत्काल युद्धविराम के लिए प्रतिबद्ध नहीं करना चाहते थे, इसलिए उनके 237 शब्दों के संशोधन ने उपरोक्त युद्धविराम की तात्कालिकता को स्थगित करने के लिए आवश्यक चेतावनी पेश की। न ही वह उस प्रस्ताव का समर्थन करना चाहते थे जिसमें इजराइल रक्षा बलों द्वारा गजावासियों को दी गई सामूहिक सजा का आह्वान किया गया था क्योंकि इससे इजराइल और संयुक्त राज्य अमेरिका नाराज हो सकते थे और भविष्य की कूटनीति खतरे में पड़ सकती थी। हमास के रूप में फिलिस्तीनी दुष्टता की जब चाहें निंदा की जा सकती है, लेकिन बेंजामिन नेतन्याहू और आईडीएफ द्वारा फिलिस्तीनियों पर की गई जबरदस्त हिंसा का नाम नहीं लिया जा सकता है, लेकिन केवल अनुपातहीन के रूप में इशारा किया जा सकता है, एक ऐसा शब्द जो खूनी के बजाय सौंदर्य की अधिकता का संकेत देता है हत्या। दूसरे, जिस तरह ब्रिटेन में राजनीतिक वर्ग ने 7 अक्टूबर के नरसंहार पर बिना किसी चेतावनी या योग्यता के प्रतिक्रिया दी, उसी तरह पिछले साढ़े चार महीनों में गाजा में हुए नरसंहार से चिंतित पार्टियों के लिए बिना शर्त युद्धविराम पर जोर देना उचित था। तथ्य यह है कि एसएनपी के प्रस्ताव ने लेबर पार्टी को शर्मिंदा करने या विभाजित करने की धमकी दी थी, जिससे एसएनपी की तत्काल युद्धविराम की दोहराई गई मांग की वैधता प्रभावित नहीं हुई। गाजा में सामूहिक हत्या को तत्काल रोकने की मांग करने के लिए सरकार पर दबाव डालने या प्रमुख विपक्षी दल को शर्मिंदा करने के लिए विधायी प्रक्रिया का उपयोग करना अशोभनीय अवसरवादिता नहीं है, यह लोकतांत्रिक राजनीति का व्यवसाय है। स्टार्मर ने स्पीकर लिंडसे होयले से लेबर के संशोधन की अनुमति देने के लिए यह तर्क देकर पैरवी की कि लेबर सांसदों की व्यक्तिगत सुरक्षा खतरे में है। उनके घटक गाजा पर लेबर की स्थिति से इतने नाराज थे कि वे अपने परिवारों के साथ खतरा महसूस कर रहे थे। उन्हें अपने व्हिप द्वारा अनुमोदित युद्धविराम प्रस्ताव पर मतदान करने की आवश्यकता थीय सरकार के संशोधन और एसएनपी के बीच एक विकल्प उन्हें अपने राजनीतिक करियर और अपनी शारीरिक भलाई के बीच चयन करने के लिए मजबूर करेगा। एसएनपी के प्रस्ताव पर लड़ाई का ऐतिहासिक महत्व लेबर की ब्रिटिश मुसलमानों के बारे में सीटी बजाने की इच्छा थी, ताकि यह संकेत दिया जा सके कि फिलिस्तीन समर्थक कार्यकर्ता ने उसके सांसदों के लिए एक हिंसक खतरा पैदा किया है। यहूदी–विरोधी राग को उलटते हुए, फिलिस्तीनी मुद्दे के प्रति लगाव को अलौकिक निष्ठा के रूप में प्रस्तुत किया गया, जिसने मुस्लिमों को मुख्यधारा में शामिल करने में बाधा उत्पन्न की और मुस्लिम दुनिया से विदेशी संक्रमणों को ब्रिटेन में आयात किया। राजनीतिक विश्लेषक स्टीफन बुश ने कहा कि लेबर पार्टी अपने मुस्लिम मतदाताओं के साथ ... एक शर्मनाक रिश्तेदार की तरह व्यवहार करती है जिसके बारे में वे बात नहीं करना चाहते। ब्रिटिश मुस्लिम, पारंपरिक लेबर समर्थक, अब स्टार्मर को शर्मिंदा कर रहे हैं क्योंकि वह अपनी पार्टी को श्सम्मानजनकश बनाने के बारे में सोच रहे हैं। मुसलमानों का उपयोग राजनीतिक ढोंगियों के रूप में होता है। हॉयल ने बार–बार दावा किया कि एक विपक्षी दल को दूसरे विपक्षी दल के प्रस्ताव में संशोधन की अनुमति नहीं देने की परंपरा को तोड़ने का मुख्य कारण सांसदों की सुरक्षा के लिए उनकी चिंता थी। यह एक परहेज जैसा बन गया। द न्यू स्टेट्समैन, जो ऐतिहासिक रूप से वामपंथियों की एक पत्रिका थी, इस स्वर में शामिल हो गई। युद्धविराम बहस पर एक लेख में एक कंजर्वेटिव सांसद के इस खतरनाक बिंदु को उद्धृत करते हुए कहा गया है। लोग डरे हुए हैं... अगर लोग इस जगह पर अपना वोट बदल रहे हैं... क्योंकि वे डरे हुए हैं कि उनके या उनके परिवारों के साथ वहां क्या होगा, तो हम एक वास्तविक समस्या है। फ्रेडी हेवार्ड और भी अधिक मुखर थे।...ब्रिटेन के कुछ संप्रभु विधायक एक निश्चित तरीके से मतदान करना चाहते हैं क्योंकि उन्हें खतरा महसूस होता है।

केजरीवाल भारतीय राजनीति के सबसे बड़े पलटूराम बन गये

नीरज

इंडिया गठबंधन के दो घटक दलों आम आदमी पार्टी और कांग्रेस के बीच सीटों का बंटवारा हो गया है। आम आदमी पार्टी दिल्ली, गुजरात और हरियाणा में कांग्रेस के साथ मिल कर चुनाव लड़ेगी मगर पंजाब में दोनों पार्टियां एक दूसरे के खिलाफ मैदान में उतरेंगी। यह कुछ उसी तरह है जैसे बंगाल और त्रिपुरा में तो कांग्रेस और वामपंथी दल साथ–साथ चुनाव लड़ते हैं मगर केरल में एक दूसरे के खिलाफ ताल ठोंकते हैं। देखा जाये तो ऐसे गठबंधन किसी विचारध्ाारा के मेल के चलते नहीं बल्कि सत्ता हासिल करने के खेल के चलते बनते हैं। इसलिए जनता को सावधान रहने की जरूरत है क्योंकि जो एक राज्य में एक दूसरे के खिलाफ हैं उनका दूसरे राज्य में एक मंच पर दिखना धोखे के समान है। जो एक राज्य में एक दूसरे की नीतियों के आलोचक हैं वह दूसरे राज्य में मिलकर कभी जनता का भला नहीं कर सकते। आप भारत में ही नहीं किसी भी देश का राजनीतिक इतिहास उठा कर देख लीजिये श्एक जगह लड़ाई और दूसरी जगह सगाईश का फॉर्मूला कभी चुनावी जीत भी हासिल नहीं कर पाया और जनता का भला भी नहीं कर पाया। ऐसे गठबंधन हमेशा सिर्फ चुनावों के समय बनते हैं और उसके बाद एक दूसरे पर आरोप लगा कर टूट जाते हैं। विश्वास ना हो तो जरा इंडिया गठबंधन के नेताओं के बीच गहरे तक समाये अविश्वास को देखिये। उत्तर प्रदेश में कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के बीच गठबंधन के ऐलान के बाद गुजरात, दिल्ली और हरियाणा में कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के बीच गठबंधन का ऐलान किया गया। इस दौरान खास बात यह रही कि दोनों जगह गठबंध्ान का ऐलान बड़े नेताओं से नहीं बल्कि पार्टियों की दूसरी या तीसरी पंक्ति के नेताओं से कराया गया। यही नहीं, कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के बीच गठबंधन का ऐलान करने के लिए जो प्रेस कांफ्रेंस हो रही थी उसका दोनों ही पार्टियों ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर लाइव प्रसारण भी नहीं किया जबकि दोनों ही पार्टियां हर छोटी–बड़ी प्रेस कांफ्रेंस का लाइव प्रसारण लिंक अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर साझा करती हैं।

इसे भी पढ़ेंरू भ्रष्टाचार के आरोपों से घिरे विपक्षी दलों के नेताओं की पूरी साख ही दांव पर है

देखा जाये तो कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के बीच चुनावी गठबंध्ान होना भारतीय राजनीति का एक बड़ा और महत्वपूर्ण घटनाक्रम है क्योंकि कांग्रेस की नीतियों के खिलाफ लड़ कर और आंदोलन खड़ा करके ही आम आदमी पार्टी का जन्म हुआ था। आम आदमी पार्टी ने दिल्ली और पंजाब की सत्ता से कांग्रेस को बाहर किया और अपनी स्पष्ट बहुमत की सरकार बनाई। आम आदमी पार्टी के चमत्कारिक प्रदर्शन के चलते ही गुजरात में कांग्रेस ने अब तक का सबसे निराशाजनक प्रदर्शन किया। आम आदमी पार्टी ने गोवा में भी कांग्रेस को काफी नुकसान पहुँचाया और हरियाणा में भी अपने संगठन का आधार बढ़ाया। आम आदमी पार्टी गुजरात विधानसभा चुनाव परिणाम से पहले तक एक क्षेत्रीय दल थी। इस लिहाज से देखें तो यह एकमात्र ऐसा क्षेत्रीय दल है जिसने कांग्रेस जैसी राष्ट्रीय पार्टी को सर्वाधिक राजनीतिक नुकसान पहुँचाया। लेकिन कांग्रेस की मजबूरी देखिये कि उसने उसी आम आदमी पार्टी के साथ समझौता कर लिया। देखा जाये तो इस गठबंधन से अरविंद केजरीवाल की राजनीति और नीयत पर भी सवाल उठे हैं। उन्होंने कांग्रेस के खिलाफ चुनाव लड़कर पहली जीत हासिल की थी। लेकिन पहली बार में ही जब उन्हें सरकार बनाने में सहयोग की जरूरत पड़ी तो कांग्रेस के समर्थन से सरकार बना ली थी। बाद में जब 49 दिनों की सरकार चलाकर केजरीवाल ने इस्तीफा दिया था तब जनता से माफी मांगते हुए कहा था कि मैंने गलती की और अब आगे कभी कांग्रेस का समर्थन नहीं लूंगा। लेकिन अब केजरीवाल कांग्रेस के साथ फिर चले गये। इस लिहाज से देखें तो नीतीश कुमार नहीं बल्कि केजरीवाल भारतीय राजनीति के सबसे बड़े पलटूराम हैं। हम आपको याद दिला दें कि भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई लड़ने के दौरान केजरीवाल रोजाना कांग्रेस और भाजपा के तमाम नेताओं के खिलाफ आरोपपत्र जारी किया करते थे और उन्हें जेल भेजने की मांग किया करते थे लेकिन समय बदला और भ्रष्टाचार से लड़ाई लड़ने वाले केजरीवाल, उनकी सरकार और आम आदमी पार्टी के कई नेता खुद भ्रष्टाचार के आरोपों के घेरे में आ गये और उन नेताओं तथा दलों के साथ गठबंधन करने लग गये जिन्हें कल तक वह सबसे बड़ा भ्रष्टाचारी बताया करते थे। बहरहाल, देखा जाये तो अलग तरह की राजनीति करने के नाम पर केजरीवाल ने जनता को धोखा दिया क्योंकि वह उन्हीं के जैसे बन गये जिनको बदलने के लिए वह राजनीति में आये थे। जहां तक कांग्रेस की बात है तो उसके लिए यही कहा जा सकता है कि जिस सबसे नये राष्ट्रीय दल (आप) ने कांग्रेस से दिल्ली और पंजाब की सत्ता छीनी उसी के सामने देश के सबसे पुराने राजनीतिक दल ने घुटने टेक दिये।

कृषि आंदोलन एमएसपी पर एक अलग दृष्टिकोण की मांग करता

आदित्य

किसान एक बार फिर फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की गारंटी की मांग कर रहे हैं। हमें यह देखने की जरूरत है कि यह आंदोलन दिल्ली की सीमाओं पर नवंबर 2020 से दिसंबर 2021 के पिछले आंदोलन से कैसे अलग है। पिछले आंदोलन की मुख्य मांग केंद्र सरकार द्वारा प्रस्तावित तीन कृषि कानूनों को वापस लेना थाय एमएसपी की कानूनी गारंटी एक अतिरिक्त मांग थी। कृषि कानूनों पर, पंजाब, हरियाणा और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के किसान आशंकित थे कि सरकारी खरीद, कृषि उपज बाजार समिति (एपीएमसी) अध्िानियम के तहत मंडी प्रणाली और अनुबंध खेती जैसे प्रावधान उन्हें प्रभावित कर सकते हैं। इसलिए, उस समय इन राज्यों के किसान मुख्य मुद्दे से अधिक जुड़े हुए थे क्योंकि उन्हें मंडी और खरीद प्रणाली का लाभ मिल रहा था। बिहार के किसान, जहां एपीएमसी मंडियां नहीं हैं, और पूर्वी और मध्य उत्तर प्रदेश के किसान, जिन्हें एपीएमसी मंडियों से ज्यादा लाभ नहीं मिलता है, कृषि कानूनों के मुद्दे से जुड़ाव महसूस नहीं करते थे। लेकिन हर किसान अपनी उपज का बेहतर दाम पाना चाहता है और इसके लिए एमएसपी जरूरी है–इसी धारणा ने एमएसपी मुद्दे की अपील को सार्वभौमिक बना दिया है। इससे 2024 के इस किसान आंदोलन के देशभर में तूल पकड़ने की संभावना है। मुझे इसका संकेत तब मिला जब मैं पिछले साल पांच राज्यों के लगभग 600 किसानों से मिला। फसल की कम कीमतें और ग्रामीण परिवारों के लिए बढ़ती मुश्किलें उनका आम दर्द था। हमने राजस्थान के जोधपुर, उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर, ओडिशा के भुवनेश्वर, मेघालय के शिलांग और तमिलनाडु के कोयंबटूर में किसानों और ग्रामीण नागरिकों से बातचीत की। ये बैठकें दिल्ली की सीमाओं पर किसान आंदोलन के लगभग डेढ़ साल बाद छह महीने की अवधि में हुईं। इससे साफ हो गया कि खेती पर निर्भर रहने वाले लोगों की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं. वे इसका समाधान अपनी फसलों की बेहतर कीमत के रूप में देखते हैं। देश के हर कोने में किसान अपनी फसल के लिए न सिर्फ एमएसपी चाहते हैं, बल्कि उसकी गारंटी भी चाहते हैं। लगभग तीन महीने बाद दिल्ली मार्च फिर शुरू हुआ। पंजाब की दो गैर–प्रमुख यूनियनें अब एक ऐसा आंदोलन खड़ा करने में सफल हो रही हैं जिसकी गूंज पूरे देश में सुनाई दे रही है। दिसंबर 2021 में जब किसान संगठन दिल्ली की सीमाओं से लौटे तो केंद्रीय कृषि सचिव संजय अग्रवाल की ओर से संयुक्त किसान मोर्चा (एसकेएम) को लिखे पत्र में कहा गया था कि सरकार एमएसपी पर समाधान ढूंढने के लिए एक कमेटी बनाएगी. मुद्दा। जुलाई 2022 में अग्रवाल की अध्यक्षता में करीब 40 सदस्यों की एक कमेटी बनाई गई. लेकिन इसके संदर्भ की शर्तों में एमएसपी के साथ–साथ कृषि लागत और मूल्य आयोग की कार्यप्रणाली और प्राकृतिक और जैविक खेती जैसे विषय शामिल थे। समिति में एसकेएम के तीन प्रतिनिधियों को जगह दी गई थी लेकिन एसकेएम ने इसे स्वीकार नहीं किया और समिति में शामिल नहीं हुए. अभी तक कमेटी की रिपोर्ट नहीं आई है, जिससे किसानों की आशंका सच साबित होती दिख रही है, जो कमेटी को औपचारिकता बता रहे थे. सरकार को शायद इस बात का अंदाजा नहीं था कि एमएसपी का मुद्दा खध्त्म होने वाला नहीं है.

देशभर में किसानों की आय या तो बहुत कम है या घट रही है। सबसे अच्छी फसल पैदावार वाले राज्यों में उत्पादकता स्थिर हो गई है जबकि उत्पादन लागत बढ़ रही है। हम कह सकते हैं कि किसानों के निवेश पर वृद्धिशील रिटर्न में कमी आई है। पिछले चार दशकों में भूमि जोत के विभाजन के कारण उनकी आय में गिरावट आई है और इसका उनके जीवन स्तर पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। शहरी मध्यम वर्ग और ग्रामीण आबादी के बीच आर्थिक अंतर बढ़ गया है। इस बीच, सूचना के प्रवाह ने ग्रामीण परिवारों की आकांक्षाओं को बढ़ा दिया है। सरकारें जो भी दावा करें, शिक्षा और स्वास्थ्य पर व्यक्तिगत खर्च बढ़ा है, जबकि इन क्षेत्रों में सार्वजनिक सुविधाओं की हालत खराब हुई है। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के अभाव के कारण कृषक परिवारों के लिए कृषि के अलावा अन्य क्षेत्रों में रोजगार के अवसर कम हो गए हैं। ऐसे में एमएसपी की सार्वभौमिक अपील है क्योंकि यह सीधे तौर पर किसानों की आजीविका से जुड़ा है। किसान उत्पादन और कीमतों पर बढ़ी अनिश्चितता से छुटकारा पाना चाहता है. चाहे वह गेहूं, धान, गन्ना या आलू, प्याज और नारियल का किसान हो, हर किसान अपनी फसल के लिए बेहतर और स्थिर कीमत चाहता है। यहां हमें अपना नजरिया बदलना चाहिए और सोचना चाहिए कि भारत 140 करोड़ लोगों वाला देश है। यह न्यूजीलैंड या चिली जैसा देश नहीं है, जहां कृषि को व्यवसाय और विदेशी मुद्रा कमाने का जरिया माना जाता है। हमें बड़ी आबादी के लिए भोजन की जरूरत है, जिसे हम आयात से पूरा नहीं कर सकते। हमें कृषि उत्पादन को खाद्य सुरक्षा का साधन मानकर एक रणनीतिक क्षेत्र के रूप में देखना चाहिए। देश में 14 करोड़ जोत हैं और उनसे जुड़े लोगों की बेहतरी हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए। इसे हमें अमेरिका जैसे देश से समझना चाहिए, जो 20 लाख किसानों की बेहतरी के लिए हर संभव कदम उठाता है क्योंकि वह भोजन पर निर्भर नहीं रहना चाहता।

सन-सैंड-सी’संग राष्ट्रवाद भी जुड़ा गोवा के साथ

आर.के. सिन्हा

गोवा अपनी छवि का विस्तार करने का संकल्प ले चुका है। उसकी चाहत है कि उसे उसके समुद्री तटों, गिरिजाघरों के अलावा भी उसके समृद्ध अतीत के रूप में भी जाना जाए। गोवा को लेकर एक ऐसी धारणा बना दी गई है, जबकि सच्चाई यह है कि गोवा सनातन भूमि है। चूंकि गोवा पर लम्बे समय तक पुर्तगाली शासन रहा है, तो इसका असर यहां पर अब भी गिरिजाघरों, घरों और दूसरी इमारतों के आर्किटेक्चर को देखकर समझ आने लगता है। पुर्तगालियों ने गोवा पर लगभग 450 सालों तक शासन किया। पुर्तगालियों ने यहाँ के संस्कृति का नामोनिशान मिटाने के लिए बहुत प्रयास किए, लेकिन यहाँ की मूल संस्कृति इतनी मजबूत थी की ध्मार्तरण के बाद भी वो मिट नहीं पाई। गोवा के मुख्यमंत्री डॉ प्रमोद सावंत ने पर्यटन संग आध्यात्मिक राष्ट्रवाद से गोवा को विकसित बनाने का दृढ़ संकल्प लिया है। मुख्यमंत्री खुद कई बार यह कह चुके हैं कि गोवा को लेकर एक खास तरह की इमेज बना दी गई है।, यह संत सोहिरोबनाथ आंबिये, आद्य नाटककार कृष्णभट्ट बांदकर, सुरश्री केसरबाई केरकर, आचार्य धर्मानंद कोसंबी और पद्म विभूषण रघुनाथ माशेलकर जैसी विभूतियों की धरती है। गोवा का जुझारूपन, संघर्ष इतिहास की किताबों में भी परिलक्षित होता है। अंग्रेजों ने भारत पर करीब दो सौ साल शासन किया, लेकिन गोवा के लोगों ने साढ़े चार सौ साल तक पुर्तगालियों को सहा। जिसकी वजह से यह कहा जाए कि सबसे बड़ा कन्वर्जन गोवा में हुआ तो गलत नहीं होगा। इतना सबकुछ होने के बावजूद गोवा वह राज्य है जिसने मंदिरों का पुनर्निमाण कराया। 16वीं शताब्दी में जो मंदिर पुर्तगालियों ने नष्ष्ट किया था, उस सप्ष्त कोटेश्ध्वर मंदिर को छत्रपति शिवाजी जी ने बनवाया था। प्रमोद सावंत सरकार ने छत्रपति शिवाजी महाराज द्वारा बनवाए गए इस मंदिर को भी री–डवलप करने का बीड़ा उठाया है। आध्यात्मिक राष्ट्रवाद की यह कवायद गोवा की सूर्य, रेल और समुद्र या ‘सन, सेंड और सी’ की पहचान को नया आयाम देने वाली साबित होगी। गोवा के लोग सरकार के इस कदम से कितने उत्साहित है इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि स्थानीय निवासी खुद मंदिरों की प्रतिष्ठा कर रहे हैं। राज्य सरकार ने इस दिशा में एक कदम आगे बढ़ते हुए एक कमेटी गठित की थी। कमेटी ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि पुर्तगालियों के 450 साल के शासन में गोवा में लगभग 900 से अधिक मंदिर तोड़े गए। आध्यात्मिकता की राह पर आगे बढ़ता गोवा आज विकास के विभिन्न पैमानों पर बेहतर प्रदर्शन कर रहा है। स्ध्वयंपूर्ण गोवा मिशन जमीनी स्तर पर जन सामान्य को सशक्त कर रहा है। जन सशक्तता के लिहाज से प्रमोद सावंत ने अपने पहले कार्यकाल में ही कई योजनाएं शुरू कर दी थी, जिसमें से स्वयंपूर्ण गोवा मिसाल है। प्रमोद सावंत ने पहले कार्यकाल में हाउसिंग फॉर ऑल, इलेक्ध्ट्रीसिटी फॉर आल, फाइनेंशियल सिक्ध्योरिटी फॉर आल, हेल्ध्थ फॉर आल, इक्ध्यूवमेंट फॉर दिव्ध्यांग, किसान क्रेडिट कार्ड फॉर आल समेत कुल दस लक्ष्य निर्धारित किए थे। इन लक्ष्यों की प्राप्ति की दिशा में उठाए गए सकारात्मक कदमों के सुखद नतीजे अब आने लगे हैं। गोवा सौ प्रतिशत घरों में नल से जल और बिजली आपूर्ति करने वाला देश का पहला राज्य बन गया है। इतना ही नहीं भारत वर्ष में गोवा पहला राज्य है, जहां प्रत्येक गांव में सड़कें हैं। केंद्र सरकार की योजनाएं लागू करने के मामले में भी गोवा बाकियों के लिए एक नजीर है। पूरे राज्य में उज्ज्वला योजना सौ प्रतिशत लागू हो गई है । गोवा अब किरोसीन मुक्त राज्य है। गोवा, शत प्रतिशत शौचालय निर्माण वाला भी देश का पहला राज्य है। ऐसी योजनाओं की संख्या एक दो नहीं बल्कि 13 हैं, जिन्हें लागू करने में गोवा अग्रणी है। कभी दूध से लेकर कृषि उत्पादों तक के लिए पड़ोसी राज्यों पर निर्भर रहने वाला गोवा आज आत्मनिर्भरता की राह पर सतत आगे बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने 2047 तक विकसित गोवा का आह्वान किया है। गोवा सरकार इंफ्रास्ध्ट्रक्ध्चर डेवलपमेंट और ह्यूमन रिसोर्स डेवलपमेंट पर लगातार कार्य कर रही है। आईटी, आईआईटी सेक्टर के लिए ह्यूमन रिसोर्स तैयार करने के लिए विशद योजनाएं बनाई जा रही है। गोवा को साफ्टवेयर पॉवर के तौर पर भी विकसित किया जा रहा है। आज गोवा मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ भी सख्त कार्रवाई करने वाले प्रमुख राज्यों में शामिल है। गोवा की एंटी नारकोटिक्ध्स सेल बहुतही सक्रिय है। गोवा आध्ध्यात्मिकता के साथ वेलनेस टूरिज्ध्म को भी बढ़ावा दे रहा है। राज्य सरकार को केंद्र सरकार की ओर से भी सबसे ज्यादा मदद मिल रही है। इसका भी फायदा राज्य के आर्थिक विकास में मददगार बना है। गोवा क्षेत्रफल के लिहाज से छोटा राज्य होने पर भी कई मामलों में बड़े–बड़े राज्यों से बहुत आगे है।गोवा क्षेत्रफल की दृष्टि से भारत का सबसे छोटा और जनसंख्या के हिसाब से चौथा सबसे छोटा राज्य है। गोवा का क्षेत्रफल मात्र 3702 वर्ग किलोमीटर है।गोवा की प्राकृतिक सुंदरता के अलावा यहाँ के प्रसिद्ध तट और सूर्य की धूप पर्यटकों को गोवा की ओर खींचती है। यहां के स्थानीय लोगों का पर्यटकों के प्रति व्यवहार भी वास्तव में बहुत दोस्ताना रहता है। इस बीच, प्रमोद सावंत का अपनी कैबिनेट के साथ बीती 15 फरवरी को अयोध्या में रामलला के दरबार में हाजिरी लगाना भी महत्वपूर्ण रहा। गोवा कैबिनेट के ईसाई मंत्री भी राम लला के मंदिर में पूजा के लिए गए थे। गोवा कैबिनेट के सभी सदस्यों ने जय श्री राम का उद्घोष किया। वहां पत्रकारों से बात करते हुए मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने कहा कि अयोध्या का नाम ”मुख्यमंत्री देव दर्शन योजना“ में शामिल किया जाएगा। ”मुख्यमंत्री देव दर्शन योजना“ के तहत गोवा अब सरकार रामलला का दर्शन मुफ्त कराएगी।

पीएम मोदी अपने तीसरे कार्यकाल में बड़े पैमाने पर बदलाव करेंगे

विनोद

राजनीति में प्रकाशिकी ही सब कुछ है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी प्रकाशिकी में हेरफेर करने में माहिर हैं। लोकसभा चुनावों से पहले, मोदी यह धारणा बनाने की कोशिश कर रहे हैं कि उनकी सरकार तीसरे कार्यकाल के लिए वापसी करने के लिए तैयार है। हाल की कैबिनेट बैठक में मोदी ने अपने मंत्रियों और नौकरशाहों से अपने–अपने मंत्रालयों का 100 दिन का रोडमैप तैयार करने को कहा। बैठक में मौजूद कुछ मंत्रियों ने दावा किया कि वह यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि चुनाव नतीजों के बाद कोई समय बर्बाद न हो। हालाँकि यह मोदी की आसन्न वापसी का संदेश देता प्रतीत होता है, कई मंत्री आश्चर्यचकित थे कि क्या उन्हें नई परिषद में जगह मिलेगी। राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि अपने तीसरे कार्यकाल में मोदी बड़े पैमाने पर बदलाव करेंगे। युवाओं और महिलाओं पर ध्यान केंद्रित करने वाले नए चेहरे अगली मंत्रिपरिषद में शामिल होंगे, जिससे कई हाई–प्रोफाइल नेताओं को बाहर होना पड़ेगा। ”मैं 100 दिन के रोडमैप पर अपना सिर क्यों फोड़ूं जब इसकी कोई गारंटी नहीं है कि मुझे नई सरकार में जगह मिलेगी या नहीं?“ एक मंत्री को प्रश्न करते हुए सुना गया।

खराब योजना

बिहार में अब राष्ट्रीय जनता दल के सत्ता से बाहर होने के बाद आरोप–प्रत्यारोप का खेल शुरू हो गया है, हालांकि वरिष्ठ नेता आगामी लोकसभा चुनावों में व्यस्त हैं। कुछ लोगों ने महागठबंधन सरकार के पतन के लिए पार्टी प्रमुख लालू प्रसाद को जिम्मेदार ठहराया है. उनका दावा है कि लालू ने तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री बनाने के लिए जनता दल (यूनाइटेड) को विभाजित करने की कोशिश की, लेकिन यह कदम विफल रहा और उल्टा असर पड़ा। राजद के अन्य विधायकों ने शीर्ष नेतृत्व पर अहंकार और अप्राप्यता तथा चापलूसों से घिरे रहने का आरोप लगाया है. उनका यह भी आरोप है कि नई पीढ़ी ने जो कार्यशैली अपनाई है वह लालू और राबड़ी देवी जैसी है. वास्तव में, कई नेताओं ने नीतीश कुमार के विश्वास मत से ठीक पहले लालू के साथ चर्चा करते समय कोई शब्द नहीं बोले और अपनी पीड़ा व्यक्त की। बताया जाता है कि राजद प्रमुख ने चीजों को सही करने का वादा किया है।

नाम में क्या रखा है

नाम में क्या रखा है? बिहार के मुख्यमंत्री, नीतीश कुमार, जिन्हें व्यापक रूप से भारतीय राष्ट्रीय विकासात्मक समावेशी गठबंधन या भारत का वास्तुकार माना जाता है, के अनुसार सब कुछ। वह अक्सर बताते हैं कि एक नाम गठबंधन बना या बिगाड़ सकता है। वास्तव में, उन्होंने दावा किया है कि भारत से उनके बाहर निकलने के पीछे एक मुख्य कारण इसका नाम था। उन्होंने स्पष्ट रूप से प्रस्ताव दिया था कि गठबंधन को श्इंडिया मेन फ्रंटश या आईएमएफ कहा जाए। लेकिन कुछ ही लोग थे और उनमें से अधिकांश ने भारत का समर्थन किया। नीतीश भी कतार में आ गए थे, लेकिन स्पष्ट रूप से उनका दिल इसमें नहीं था।

तथ्यों की जांच

प्रेस ट्रस्ट ऑफ इंडिया ने राहुल गांधी को झूठा दावा करने के लिए सार्वजनिक रूप से फटकार लगाई कि वायर सेवा अंबानी या अदानी समूह के स्वामित्व वाले कई समाचार आउटलेट्स में से एक थी।

जब भारत जोड़ो न्याय यात्रा वाराणसी में थी, तो गांधी ने इशारा किया

टीवी पत्रकारों से बात की और भीड़ को यह बताने के लिए कई प्रकाशनों का नाम लिया कि उन पर भाजपा के करीबी माने जाने वाले दो व्यापारिक परिवारों का नियंत्रण है। एक दुर्लभ सार्वजनिक प्रतिक्रिया में, पीटीआई ने ट्वीट किया, ”राहुल गांधी को यह सुनकर झटका लगा कि पीटीआई का स्वामित्व अडानी और अंबानी के पास है। पीटीआई एक स्वतंत्र, गैर–लाभकारी कंपनी है। आजादी के बाद से इसका स्वामित्व समाचार पत्र कंपनियों के एक समूह के पास है, जिन्हें पीटीआई के राजस्व से कोई आय नहीं होती है।

मेजें पलट गईं

अरविंद केजरीवाल ने श्जय श्री रामश के नारे को दिल्ली विधानसभा में कई बार उठाकर इस नारे पर संघ परिवार के एकाधिकार को खध्त्म करने की कोशिश की। सुप्रीम कोर्ट के हस्तक्षेप के बाद चंडीगढ़ के मेयर चुनाव में कांग्रेस–आम आदमी पार्टी की जीत की सराहना करते हुए केजरीवाल ने इसकी तुलना रामायण और महाभारत में अच्छाई बनाम बुराई की प्रतियोगिता से की।

चुप्पी साधना

केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव जब भुवनेश्वर के रेल सदन में मीडिया को संबोधित करने के लिए एक घंटे देरी से पहुंचे तो उन्होंने माफी मांगी। पत्रकार तो समय से पहले कार्यक्रम स्थल पर पहुंच गए लेकिन मंत्री खुद देर से पहुंचे। इसके अलावा, उन्होंने पत्रकारों को निराश करते हुए किसी भी सवाल का जवाब देने से परहेज किया। उनके मन में सबसे बड़ा सवाल यह है कि उन्होंने सीएम नवीन पटनायक को धन्यवाद क्यों

नहीं दिया या उनसे मुलाकात क्यों नहीं की। पत्रकारों को आश्चर्य हुआ कि क्या यह जानबूझकर किया गया था क्योंकि इस तरह की बैठक से कांग्रेस के इस दावे को बल मिल सकता है कि भाजपा और बीजू जनता दल आपस में मिले हुए हैं।

ऐसा लगता है कि तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी अपने पूर्ववर्ती के.चंद्रशेखर राव के हर निशान को मिटाने के अपने वादे पर कायम हैं। शुरुआत करने के लिए, रेड्डी ने केसीआर के 10 साल के शासन के दौरान किए गए सभी सोशल मीडिया इनपुट को रद्दी कर दिया है। राज्य सूचना और जनसंपर्क विभाग द्वारा संचालित सोशल मीडिया चौनलों ने कथित तौर पर केसीआर के कार्यकाल के दौरान अपलोड की गई सभी सामग्री को हटा दिया है।

एक अरब सात लाख रुपये से होगा जनपद के चार स्टेशनो का होगा विकास

1-24 करोड़ 34 लाख रुपये से होगा सिटी स्टेशन का कायाकल्प

जौनपुर। चुनाव नजदीक आते ही तमाम राजनीतिक दलों में हलचल तेज हो गई हैं सभी दिनों के नेता जनता के सामने लोक लुभावने वायदे करने में जुड़े हुए हैं। वहीं बीजेपी की तरफ से खुद प्रधानमंत्री ने इसकी कमानसंभाल रखी है। इसी कड़ी में अमृत भारत स्टेशन विकास योजना अंतर्गत आज लगभग देश के 554

रेलवे स्टेशनों के कायाकल्प करने के तहत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा जनता के सामने सौगात दिया गया है उन्होंने लखनऊ के गोमती नगर से वर्चुअल रूप से सभी स्टेशनों के नव निर्माण का लोकार्पण और शिलान्यास किया जिसमें जौनपुर का सिटी स्टेशन सहित चार स्टेशन शामिल है।

सोमवार को प्रधानमंत्री के लोकार्पण के उपरांत सिटी स्टेशन के विकास के लिए नए स्टेशन भवन का निर्माण पोर्टिको का प्रावधान सर्कुलेटिंग एरिया का निर्माण व विकास कार्य है जिसका राज्यसभा सांसद सीमा द्विवेदी नेता विधान मंडल दल विद्यासागर सोनकर बीजेपी जिलाध्यक्ष पुष्पराज सिंह ने अनावरण कर रेलवे के अधिकारियों को सौंप दिया। स्टेशन के विकास के लिए 24 करोड़ 34 लाख रुपए आवंटित किया गया है जिससे जिले के चार स्टेशनो का कायाकल्प किया जाएगा। जौनपुर के सिटी स्टेशन के लिए 24 करण 34 लाख रुपए से मछली शहर तहसील के मडियाहू रेलवे स्टेशन के लिए 11 करोड़ 74 लाख रुपए श्री कृष्णा नगर के लिए 26 करोड़ 83 लाख रुपए केराकत तहसील के जलालगंज रेलवे स्टेशन के लिए 37 करोड़ 56 लाख रुपए आवंटित किए गए हैं कुल मिलाकर जनपद के लिए एक अरब 7 लाख रुपए केंद्र सरकार द्वारा स्टेशनों के विकास के लिए दिया गया है।

इस संबंध में बात करते हुए राज्यसभा सांसद सीमा द्विवेदी ने पत्रकारो से बात करते हुए बताया कि लगभग 400 करोड़ रुपए की परियोजना से सभी स्टेशनों का कायाकल्प किया जाना है मोदी जी द्वारा यात्रियों को बेहतरीन सुविधा देने का प्रयास किया जा रहा है तमाम रेलवे स्टेशनों को लाइट की जगमगाहट से रोशन किया जा रहा है स्टेशनों के विकास के लिए कितना पैसा लगा है इसकी कोई बाध्यता नहीं है जो भी पैसा लगेगा मोदी जी द्वारा दिया जा रहा है आज हम काम खोज रहे हैं कि हम काम कहां करना है बताएं जबकि अन्य सरकारों में कोई काम नहीं किया जाता था उनके पास पैसों का अभाव हुआ करता था वह व्यवस्था करने में लगे रहते थे। यात्रियों के लिए आधुनिक प्रतीक्षालय फर्नीचर चौड़ी सड़क ओवर ब्रिज का निर्माण आदि शामिल है। सिटी स्टेशन पर लगभग चार और ट्रेनों के रोकने के लिए प्रयासरत हूं जो चुनाव बाद संभव हो पाएगा।मोदी जी फिर से एक बार देश के प्रधानमंत्री बनने जा रहे हैं वहीं उन्होंने समाजवादी पार्टी और कांग्रेस पार्टी की एक साथ होने पर कहा कि यह लोग अपनी जमानत बचाने के लिए एक दूसरे का साथ दे रहे हैं इनके साथ रहने का कोई असर पड़ने वाला नहीं है।

दिव्यांग मतदाताओं की चुनाव प्रक्रिया में हो सक्रिय भागीदारी

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। दिव्यांगजन को समाज की मुख्य धारा से जोड़ते हुए उनकी चुनाव प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए जिलाधिकारी के निर्देशन में कलेक्ट्रेट स्थित कक्ष में दिव्यांग मतदाता जागरूकता कमेटी की बैठक उप जिलानिर्वाचन अधिकारी रामअक्षयवर चौहान की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई।

उन्होंने कहा कि सभी दिव्यांग नागरिक अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकें और निर्धारित चुनावी कार्य प्रक्रिया में सक्रिय भाग लें, इसके लिए आवश्यक है कि 18 वर्ष से ऊपर के दिव्यांग युवाओं व अन्य छूटे हुए सभी दिव्यांग लोगों का नाम मतदाता सूची में पंजीकृत कराये तथा आगामी लोकसभा चुनाव में मतदान में बढ़ चढ़ कर हिस्सा लेने हेतु प्रेरित किया जाये।

उन्होंने जिला दिव्यांगजन अधिकारी व अन्य सबंधित को निर्देशित किया कि जो दिव्यांगजन दिव्यांग पेंशन प्राप्त कर रहे हैं तथा जो पेंशन के लिए नवीन पंजीकृत हुए हैं सर्वे करा ले कि उनका नाम मतदाता सूची में पंजीकृत है अथवा नही, यदि मतदाता सूची में नाम नहीं है तुरन्त बीएलओ के माध्यम से या आनलाइन वोटर पोर्टल या वोटर हेल्पलाइन ऐप के माध्यम से फार्म 06 भरकर आवेदन कर नाम दर्ज करायें तथा यदि पहले से मतदाता सूची में नाम दर्ज हैं तो फार्म 8 भरकर अपनी दिव्यागता को चिन्हित करने हेतु लोगों को जागरूक करें।

उन्होंने बताया कि अगर कोई दिव्यांग चलने-फिरने में असमर्थ है तो वह अपने नजदीकी बीएलओ को सूचित करें। ताकि निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार उन्हें ससमय आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकें। इस अवसर पर जिला विद्यालय निरिक्षकध्यीय प्रभारी अशोक नाथ तिवारी, सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी बृजेश चतुर्वेदी, जिला स्वीप को आर्डिनेटर सैय्यद मोहम्मद मुस्तफा, गौतम चन्द्र प्रधानाचार्य रचना विशेष विद्यालय, लायन्स क्लब कोषाध्यक्ष डा संजीव मौर्य, रोटरी क्लब अध्यक्ष सुजीत अग्रहरि, रोटैक्ट रैक्ट क्लब अध्यक्ष कुवर शेखर गुप्ता, संतोष सिंह सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

गीडा में लगेगी प्लास्टिक बोरी बनाने की फैक्टरी, 100 करोड़ का होगा निवेश- इतनों को मिलेगा रोजगार

गोरखपुर, संवाददाता। गोरखपुर के गीडा में भी अब प्लास्टिक की बोरी बनाने की फैक्टरी लगेगी। शहर के उद्यमी अमित बथवाल इसके लिए करीब 100 करोड़ निवेश करने की तैयारी में हैं। फैक्टरी लगाने के लिए उन्होंने गीडा प्रशासन से जमीन की मांग की है। उम्मीद है कि मार्च के पहले सप्ताह में जमीन का आवंटन भी हो जाएगा। प्लास्टिक की बोरियां, यूरिया और सीमेंट कारखाना की जरूरत को ध्यान में रखकर बनाई जाएंगी। इसके स्थापित होने से तीन सौ लोगों को रोजगार मिलेगा। खाद कारखाना और सीमेंट की लगने वाली फैक्टरियों के दृष्टिगत उद्यमी अमित बथवाल की पहले से ही गोरखनाथ इलाके में प्लास्टिक की बोरी बनाने की दो फैक्टरियां हैं। अभी दोनों फैक्टरियों से प्रतिदिन पांच लाख बोरियां तैयार की जाती हैं। इसकी सप्लाई खाद कारखाना में होती है। अमित बथवाल ने बताया कि अभी भी 50 किलोग्राम क्षमता वाली प्लास्टिक की बोरियों की मांग है। अभी इसकी आपूर्ति दिल्ली से होती है। इसके अलावा धुरियापार में दो बड़ी कंपनियों ने सीमेंट फैक्टरी लगाने का प्रस्ताव दिया है। वहां भी बोरियों की जरूरत होगी। इसे देखते हुए गीडा क्षेत्र में प्लास्टिक की बोरियां बनाने की फैक्टरी लगाने का प्रस्ताव दिया गया है। इस पर करीब 100 करोड़ रुपये का निवेश होगा।

गीडा में प्लास्टिक पार्क के लिए अलग क्षेत्र निर्धारित किया गया है। इस इलाके में 24 घंटे बिजली आपूर्ति की व्यवस्था की गई है। तीन दिन पहले ही सीएम ने एक प्लास्टिक रिसाइकिलिंग फैक्टरी का शिलान्यास भी किया है। आने वाले दिनों में गीडा में प्लास्टिक के उत्पाद बनाने के लिए कच्चा माल आसानी से उपलब्ध होगा। इसी को ध्यान में रखते हुए अमित बथवाल ने अपनी फैक्टरी लगाने का प्रस्ताव दिया है। सीईओ, गीडा अनुज मलिक ने कहा कि गीडा और आसपास के औद्योगिक क्षेत्र में फैक्टरी लगाने के लिए कई उद्यमी आगे आ रहे हैं। अलग-अलग तरह की फैक्टरियां स्थापित हो रही हैं। प्लास्टिक की बोरी बनाने के लिए उद्यमी अमित बथवाल की ओर से जमीन मांगी गई है। आवंटन की प्रक्रिया चल रही है, जिसे जल्द ही कर दिया जाएगा। कुछ और फैक्टरियों के लिए जमीन की मांग पहले से है। मार्च के पहले सप्ताह में नई फैक्टरियों के लिए जमीन आवंटित हो जाएगी।

बीमा पालिसी की डिटेल्स हैक कर हड़पते थे रुपये, अंतरराज्यीय गिरोह के तीन जालसाज गिरफ्तार

वाराणसी, संवाददाता। बीमा पॉलिसी का विवरण हैक कर और फर्जी पते पर बैंक खाता खुलवा कर लोगों के रुपये हड़पने वाले अंतरराज्यीय गिरोह के तीन जालसाजों को साइबर क्राइम थाने की पुलिस ने आगरा से गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान हाथरस जिले के सादाबाद थाने के कोठी बड़ार के सुनील कुमार और आगरा के बरहन थाना के मुखवार के रितेंद्र कुमार व शेरखां, उस्मानपुर के शिवम कुमार के रूप में हुई है। आरोपियों के पास से 12 मोबाइल, 52 डेबिट कार्ड, 57 पासबुक, 88 चेकबुक, 12 सिम और 6380 रुपये बरामद हुए हैं। साइबर क्राइम थाने के प्रभारी निरीक्षक विजय नारायण मिश्र ने बताया कि दांदूपुर के सुनील कुमार की तहरीर पर पिछले साल मुकदमा दर्ज किया गया था। सुनील ने बताया था कि उन्होंने पीएनबी मेटलाइफ सुपर सेवर नाम की पॉलिसी ली थी। उसे हैक कर उसका पूरा विवरण उन्हें बताया गया। इससे उन्हें विश्वास हो गया था कि वह पीएनबी मेट लाइफ का एजेंट बोल रहा है। हैकर ने उन्हें बोनस का लाभ दिलाने का झांसा देकर उनके साथ 9,61,337 रुपये की धोखाधड़ी की थी। इंस्पेक्टर ने बताया कि उनके नेतृत्व में एसआई संजीव कन्नौजिया और हेड कांस्टेबल श्याम लाल गुप्ता व रविकांत जायसवाल की टीम ने जां की। सर्विलांस की मदद से तीनों को गिरफ्तार किया गया।

पैसा कमाने के लालच में शुरू किया काम

पुलिस की पूछताछ में सुनील कुमार उर्फ सुनील चौधरी और उसके साथियों ने बताया कि पैसा कमाने के लालच में साइबर अपराधियों से मिले थे। इसके बाद लोगों को पैसे का लालच देकर उनके आधार कार्ड का पता बदल देते थे। फिर खाता खोलकर फर्जी तरीके से मिले सिम को बैंक में रजिस्टर्ड कराकर साइबर अपराधियों को 30-35 हजार रुपये में बेच देते थे। रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर में साइबर फ्रॉड से प्राप्त पैसों की जानकारी आती थी। साइबर अपराधियों के माध्यम से पैसा निकालकर हिस्सा बांट लेते थे। साथ ही, साइबर अपराधी जितने फ्रॉड करते हैं, उसमें भी काम के अनुसार हिस्सा होता था। इसी तरह से साथियों के साथ मिलकर वाराणसी के सुनील कुमार से भी फ्रॉड किया था।

संत निरंकारी मिशन के तहत चलाया गया सफाई अभियान 400 श्रद्धालु हुए शामिल

-गंदगी अंदर हो या बाहर दोनों सेहत के लिए हानिकारक।

दैनिक देश की उपासना
क्राइम रिपोर्टर धनंजय विश्वकर्मा

जौनपुर। जनपद जौनपुर में रविवार को संत निरंकारी मिशन के तहत 25 फरवरी को पक्के पोखर की सफाई किया। जिसमें 400 से अधिक संत निरंकारी शामिल रहे। विकासखंड शाहगंज क्षेत्र के जर्रो गांव में बने पक्के पोखरे पर संत निरंकारी सत्संग जौनपुर के अध्यक्ष, कर्मचारी, आदि संतों ने मिलकर कई शाखों के साथ पक्का पोखरा जर्रो निकट मल्हनी बाजार की सफाई किया। और स्वच्छता का परचम लहराया । संत ने कहां की जल ही जीवन है जल स्वच्छ रहने से तन मन सब स्वच्छ रहता है। सफाई अभियान में महिलाओं ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया। सुबह 9 बजे से दोपहर बाद तक पोखरे की साफ सफाई किया। महाश्रम दान में शंकर दयाल (मुखी) मदरहा, सुबास (प्रकाशन इंचार्ज), घनश्याम मौर्य संचालक मदरहा , बजरंगबली प्रधान (कोषाध्यक्ष) मल्हनी, राम सिंगार उपाध्याय (मुखी) बरैया काजी, लाल प्रधान (इंचार्ज) रामपुर, विनोद प्रबंधक (रामपुर), सुरेश (इंचार्ज) लपरी, इनके साथ सेवादल के भाई बहन और संगत महापुरुष आदि लोग सेवादन किया।

14 बोरी चोरी के लहसुन के साथ तीन आरोपी गिरफ्तार

वाराणसी, संवाददाता। पहड़िया मंडी में ध्रुव कुमार मौर्या की दुकान से चोरी हुई लहसुन के साथ लालपुर पांडेयपुर थाने की पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान रमरेपुर के कल्लू पाल, सभाजीत यादव और विक्की राजभर के रूप में हुई है। आरोपियों के पास से 14 बोरी लहसुन के साथ ही वारदात में इस्तेमाल चारपहिया वाहन भी बरामद किया गया है। लालपुर पांडेयपुर थानाध्यक्ष बृजेश कुमार मिश्रा ने बताया कि ध्रुव की दुकान से 20 फरवरी की रात 14 बोरी लहसुन चोरी हुआ था। 21 फरवरी को सूचना मिली तो सीसी कैमरों की फुटेज से दरोगा प्रदीप कुमार यादव व तेज बहादुर सिंह और हेड कांस्टेबल सुरेंद्र मौर्या की टीम ने पड़ताल शुरू की। आरोपियों के वाहन को चिह्नित कर उन्हें शुक्रवार की रात मोड़कट्टा बाबा मंदिर के पास से गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपियों ने बताया कि लहसुन इन दिनों बाजार में अच्छे भाव में बिक रहा है। इसलिए तीनों उसे चुरा कर बेचने की तैयारी में थे। जो पैसा मिलता उसे तीनों बांट लेते। रही हैं। 20 मार्च तक परिणाम जारी करने की कोशिश है।

होली से पहले आएगा सेमेस्टर एग्जाम का रिजल्ट

वाराणसी, संवाददाता। बीएचयू में यूजी और पीजी की समेस्टर परीक्षा के परिणाम को होली से पहले जारी करने की तैयारी है। एमए पहले और तीसरे सेमेस्टर की कई विषयों की परीक्षा 31 जनवरी को खत्म हो चुकी है। जबकि बीए पहले सेमेस्टर की परीक्षा चार-पांच मार्च को खत्म हो जाएगी। विश्वविद्यालय के संकायों, विभागों की परीक्षाएं जनवरी के तीसरे सप्ताह से शुरू हुई। इसमें विश्वविद्यालय परिसर और डीएवीपीजी कॉलेज के विद्यार्थी तो विश्वविद्यालय परिसर में बने केंद्रों पर परीक्षा दे रहे हैं, जबकि आर्य महिला पीजी कॉलेज, वसंत कन्या महाविद्यालय कमच्छा और वसंत महिला महाविद्यालय राजघाट की छात्राएं अपने कॉलेज परिसर में परीक्षा दे रही हैं। कला संकाय और सामाजिक विज्ञान संकाय के बीए आनर्स तृतीय सेमेस्टर की 18 जनवरी से शुरू परीक्षा चार मार्च को खत्म हो जाएगी। इसके अलावा 17 जनवरी से शुरू पहले सेमेस्टर की परीक्षा पांच मार्च को खत्म होगी। एमए प्राचीन इतिहास पहले सेमेस्टर की परीक्षा 17 जनवरी से शुरू होकर 30 जनवरी को खत्म हो चुकी है। साथ ही एमए तृतीय सेमेस्टर 18 जनवरी से शुरू होकर 31 जनवरी तक हो चुकी है। परीक्षा नियंता प्रो. एनके मिश्रा ने बताया कि परीक्षा के साथ कापियों का मूल्यांकन कराने सहित परिणाम संबंधी अन्य तैयारियां चल रही हैं। 20 मार्च तक परिणाम जारी करने की कोशिश है।

स्वास्थ्य विभाग का छापा, दो अवैध अस्पताल सील

कुशीनगर, संवाददाता। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने शनिवार को कस्बा के दो अस्पतालों में छापा मारा। टीम को देख कर्मचारी भाग खड़े हुए। जांच में दोनों अस्पताल अवैध मिले। उन्हें सील कर दिया गया। एक अस्पताल में ऑपरेशन के बाद भर्ती की गईं दो महिलाओं को सीएचसी भेजा गया। एसीएमओ ने दोनों संचालकों के खिलाफ कार्रवाई के लिए पुलिस को तहरीर दी है। इस कार्रवाई से अवैध अस्पताल संचालकों में खलबली मची रही। नगर में चल रहे अवैध हॉस्पिटल की जांच नोडल अधिकारी डॉ. रमेश कुमार गुप्त ने अपने साथ चिकित्सा प्रभारी डॉ. एसके विश्वकर्मा के साथ जांच की। इसमें सिद्धनाथ व आयुष्मान अस्पताल संचालक उन्हें कोई वैध कागजात नहीं दिखा सके। इसको गंभीरता से लेते हुए अधिकारियों ने दोनों हॉस्पिटलों को सील कर रामकोला थाने में तहरीर दी है। रामकोला बाजार के धर्मसमधा मंदिर के पास चल रहे आयुष्मान हॉस्पिटल पर शाम को स्वास्थ्य विभाग की टीम एसीएमओ डॉ. राकेश गुप्ता के नेतृत्व में पहुंची। टीम को देख अस्पताल में मौजूद वर्कर पीछे के दरवाजे से भाग निकले। टीम को जांच के दौरान डॉक्टर नहीं मिले और अस्पताल का पंजीकरण भी नहीं था। इसके बाद टीम सिद्धनाथ अस्पताल पहुंची तो यहां पर भी पंजीकरण से जुड़े कोई कागजात

सीएमओ के निरीक्षण में अनुपस्थित मिले दो स्वास्थ्य कर्मी

कुशीनगर, संवाददाता। सीएमओ ने शनिवार को सीएचसी विशुनपुरा का निरीक्षण किया। दो स्वास्थ्यकर्मी अनुपस्थित मिले। सीएमओ ने मोतियाविंद के आपरेशन में संख्या बढ़ाने का निर्देश देते हुए अनुपस्थित कर्मचारियों से स्पष्टीकरण मांगा है। सीएमओ डॉ. सुरेश पटारिया शनिवार की सुबह 11 बजे सीएचसी पर पहुंचे। उन्होंने सबसे पहले उपस्थिति रजिस्टर का निरीक्षण किया, जिसमे वार्ड ब्वॉय सेराज आलम और अनुपस्थित मिले। जबकि नीलम दीक्षित नहीं आई थी। उनके बारे में सीएचसी प्रभारी ने बताया की वे मेडिकल पर है।

जनहित में आईपीआर के कई मामलों में सरकार ने दी है छूट - डा. रजनीश सिंह

इनोवेशन के साथ विधिक संरक्षण भी जरूरी – प्रो. खालिद शमीम

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वान्चल विश्वविद्यालय, जौनपुर एवं विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद, उत्तर प्रदेश के संयुक्त तत्वावधान में बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर) पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन सोमवार को रज्जू भइया संस्थान के आर्यभट्ट सभागार में आयोजित किया गया। समारोह के उद्घाटन अवसर पर काशी हिंदू विश्वविद्यालय विधि विभाग के प्रोफेसर रजनीश सिंह ने पेटेंट, कॉपीराइट और ट्रेडमार्क को विस्तार से परिभाषित किया। कहा कि पेटेंट, कॉपीराइट और ट्रेडमार्क व्यावसायिक संपत्ति के संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। पेटेंट विशेष रूप से नई, अभिनव विचारों और उत्पादों का संरक्षण करता है। कॉपीराइट आंतरिक और बाह्य स्तर पर कला, साहित्य और संगीत के स्वरूपों की सुरक्षा करता है और ट्रेडमार्क व्यापारिक खण्डों और ब्रांडिंग की पहचान को सुनिश्चित करता है। उन्होंने शिक्षकों और विद्यार्थियों को जागरूक किया कि वह अपने नवाचारों और विशेषताओं को कैसे संरक्षित करें साथ ही साथ अपने व्यवसाय को कैसे सुरक्षित रखें? उन्होंने कहा कि पेटेंट में रजिस्ट्रेशन जरूरी है जबकि कॉपीराइट बिना रजिस्ट्रेशन के भी हो सकता है। सरकार की मंशा है कि अधिक से अधिक पेटेंट फाइल किया जाए। उन्होंने कहा कि जनरुचि और जनहित में आईपीआर के बहुत से मामलों में सरकार ने फीस में छूट दी है। उन्होंने कहा कि शिक्षण संस्थानों के ज्यादातर पेटेंट मार्केट तक नहीं पहुंच रहे हैं वह सिर्फ एपीआई बढ़ाने के काम आ रहे हैं। इस अवसर पर कुलपति प्रोफेसर वंदना सिंह ने कहा कि मैं आशा करतीं हूं कि आईपीआर पर आधारित कार्यशाला से नए विचार आएंगे जो हमारे शिक्षक और विद्यार्थियों को लाभान्वित करेंगे। उन्होंने शिक्षण संस्थानों में आईपीआर के महत्व पर प्रकाश डाला। शिब्ली नेशनल कॉलेज के प्रो. खालिद शमीम ने पेटेंट और कॉपीराइट के अंतर को विस्तार से समझाया। उन्होंने कहा कि इनोवेशन के साथ उसका विधिक संरक्षण भी जरूरी है। उन्होंने कहा कि आउटसोर्सिंग के कारण पेटेंट फाइलिंग के मामले में बढ़ोतरी हो रही है। उन्होंने शेक्सपियर के नाम में क्या रखा है कि अवधारणा चर्चा करते हुए कहा कि नाम में ही सब कुछ रखा है इसलिए आईपीआर की जरूरत पड़ रही है। कार्यशाला में सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता तथा एसएस इंटरनेशनल सर्विसेज, नई दिल्ली के आईपी अटार्नी अभिनव सक्सेना ने कॉपीराइट और पेटेंट के अंतर को उदाहरण के साथ समझाया। इसके पूर्व कांउसिल आफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी उत्तर प्रदेश की संयुक्त निदेशक डॉ. पूजा यादव ने अपनी संस्था के उद्देश्य को बताते हुए कहा कि बौद्धिक संपदा अधिकार को हम कैसे अपनी आय से जोड़ सकते हैं। साथ ही अपनी संपदा को सुरक्षित और संरक्षित कैसे रख सकें। इसके पूर्व कार्यशाला की स्मारिका का विमोचन किया गया। स्वागत प्रो. मानस पांडेय ने

कार्यशाला के उद्देश्य के बारे में प्रो. देवराज सिंह और प्रो. प्रमोद यादव ने बताया। कार्यशाला का संचालन प्रो. गिरधर मिश्र और धन्यवाद ज्ञापन डॉ. धीरेंद्र चौधरी ने किया। इस अवसर पर प्रो. बीबी तिवारी, प्रो. अविनाश पाथर्डीकर, प्रो. बीडी शर्मा, प्रो. मनोज मिश्र, प्रो. रजनीश भास्कर, प्रो. राजकुमार, प्रो. मिथिलेश सिंह, डॉ. संजीव गंगवार, डॉ. आशुतोष कुमार सिंह, डॉ. रसिकेश, डॉ. पुनीत धवन, डॉ.काजल डे, डॉ. वनिता सिंह, डॉ. प्रियंका सिंह, डॉ. रामांशु सिंह, डॉ. श्याम कन्हैया सिंह, डॉ. नीरज अवस्थी, डॉ. नितेश जायसवाल, डॉ. सुजीत चौरसिया, डॉ. दिनेश वर्मा, डॉ. धर्मेंद्र सिंह, डॉ. मंगला प्रसाद, डॉ. राजित राम सोनकर, डॉ. राहुल राय, डॉ. अंकित कुमार, डॉ. सुनील कुमार आदि उपस्थित थे।

हाईकोर्ट ने चयन प्रक्रिया, कट ऑफ के नियमों के बारे में मांगी जानकारी

प्रयागराज, संवाददाता। इलाहाबाद हाईकोर्ट में जूनियर बेसिक स्कूलों में ट्रेनी शिक्षकों के बचे हुए 12091 अभ्यर्थियों की काउंसिल कराने के एकल पीठ के आदेश के खिलाफ सुनवाई जारी है। दो दिनों की सुनवाई के बाद हाईकोर्ट की विशेष अपील बेंच ने परिषद के अधिवक्ता से काउंसिलिंग में अपनाई गई चयन की प्रक्रिया व कट ऑफ मार्क्स को लेकर अपनाए गए नियमों को बताने को कहा है। कोर्ट मंगलवार को फिर इन अपीलों पर सुनवाई करेगा। जूनियर बेसिक स्कूलों में ट्रेनी शिक्षकों के 75 हजार, 885 पदों पर भर्ती के लिए 30 नवंबर 2011 को विज्ञापन जारी हुआ था। मामले में विवाद उत्पन्न होने पर एकलपीठ ने 12981 बचे हुए अभ्यर्थियों की दोबारा काउंसिलिंग कराने का आदेश पारित किया था। एकल जज की ओर से पारित आदेश के खिलाफ प्रदेश सरकार व बेसिक शिक्षा बोर्ड की ओर से विशेष अपील दाखिल की गई है। दोनों पर न्यायमूर्ति अश्वनी कुमार मिश्रा एवं न्यायमूर्ति एसक्यूएच रिजवी की खंडपीठ सुनवाई कर रही है।

उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से अपर मुख्य स्थायी अधिवक्ता रामानंद पांडेय तथा बेसिक शिक्षा बोर्ड की ओर से कुष्मांडा शाही ने एकल जज के आदेश के खिलाफ विशेष अपील दाखिल की है। इनमें कहा गया है कि सुप्रीम कोर्ट ने 25 जुलाई 2017 एवं बाद में इसमें अभ्यर्थियों की ओर से दाखिल अवमानना मामले में 13 दिसंबर 2019 को सरकार की ओर से ट्रेनी टीचरों की भर्ती को सही मानते हुए अवमानना का केस खत्म कर दिया था। ऐसे में 2011 की भर्ती को लेकर शेष बचे अभ्यर्थियों की फिर से काउंसिलिंग कराने का एकल जज का निर्देश गैरकानूनी है। मामले में एकल पीठ ने इलाहाबाद हाईकोर्ट ने विनय कुमार पांडेय व कई अन्य तथा इससे संबद्ध अन्य याचिकाओं पर आदेश पारित कर निर्देश दिया था कि शेष बचे अभ्यर्थियों की काउंसिलिंग कराने के लिए नया विज्ञापन, 5 फरवरी 2024 से शुरू होने वाले सप्ताह में जारी करते हुए तीन अखबारों में प्रकाशित कराया जाए। वहीं, दूसरी ओर अभ्यर्थियों विनय कुमार पांडेय व अन्य की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता अशोक खरे, एचएन सिंह, आरके ओझा, अनिल तिवारी का कहना है कि एकल जज के आदेश में कोई त्रुटि नहीं है।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह में 138 जोड़ों ने लिए सात फेरे

कुशीनगर, संवाददाता। पडरौना और सेवरही ब्लॉक परिसर में शनिवार को मुख्यमंत्री सामूहिक कन्या विवाह योजना के तहत 138 जोड़ों ने सात फेरे लिए। पडरौना में 66 जोड़ों ने सात फेरे लिए तो सेवरही ब्लॉक परिसर में में 72 जोड़े दांपत्य सूत्र बंधान में बंध गए। पडरौना ब्लॉक परिसर में आयोजित वैवाहिक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि सांसद विजय कुमार दुबे ने कहा कि भाजपा सरकार आम आदमी की सरकार है। इसीलिए इस सरकार में आम आदमी के लिए योजनाएं संचालित की जा रही हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने देश की प्रगति आसान कर दी है। महिलाओं व लड़कियों के कल्याण के लिए इन योजनाओं का संचालन हो रहा है। कुशीनगर विधायक पीएन पाठक ने कहा कि इस योजना से गरीब परिवार की बेटियों को अधिक लाभ मिल रहा है। सदर विधायक मनीष जायसवाल ने सरकार की इस योजना की सराहना की। कार्यक्रम को नपाध्यक्ष विनय जायसवाल, ब्लॉक प्रमुख आशुतोष सिंह बहुगुणा, प्रमुख विंध्यवासिनी श्रीवास्तव व मनोज सिंह ने संबोधित किया। इस दौरान समाज कल्याण अधिकारी विनय कुमार, बीडीओ सुशील कुमार अग्रहरी, एडीओ समाज कल्याण आशीष सिंह, एडीओ पंचायत अरुण कुमार गोंड़, ग्राम प्रधान मुकेश सिंह, सुधीर सिंह, भूपेंद्र सिंह, राजेश चौबे, अनिल तिवारी, रामजीत चौहान, सचिन यादव, निखिल उपाध्याय, धीरज पाठक आदि मौजूद रहे। तमकुहीरोड प्रतिनिधि के अनुसार सेवरही ब्लॉक परिसर में मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत 72 जोड़े वैदिक मंत्रोच्चार व मांगलिक गीतों के बीच शनिवार को पावन परिणय सूत्र में बंधे। जिला प्रशासन की ओर से सेवरही के ब्लॉक परिसर में मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत शनिवार को सामूहिक विवाह कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें मिश्रौली की सुधा कुमारी का सेमरा हरदो निवासी चंद्रमणि आर्य के साथ, जमसड़ीया की निशा कुमारी का बहौर छपरा निवासी पप्पू मद्धेशिया के साथ, जमसड़ा की अंजली कुमारी का परवार पार निवासी रोशन कुमार के साथ, तरया सुकंठ की नीशु कुमारी का बेलवा दुबे निवासी मनीष कुमार के साथ, परसौनी बुजुर्ग की संध्या कुमारी का माधोपुर बुजुर्ग निवासी विकास चौहान के साथ, पथरवा निवासी नेहा कुमारी का रामचंद्रपुर चंद्रभान निवासी नकुल सैनी, हफुआ जीवन की अस्मिता कुमारी का पुरैना कटेया निवासी अजय गोड़ के साथ, राजपुर बगहा की रिशु कुमारी का मुबारकपुर के सावन कुमार के साथ और नौका टोला गाजीपुर निवासी गुड़िया पटेल का सरिसवा निवासी सोनू पटेल के साथ विवाह कराया गया। देवरिया सांसद डॉ. रमापतिराम त्रिपाठी ने सभी जोड़ो आशीर्वाद देते हुए कहा कि प्रदेश सरकार के सामूहिक विवाह कार्यक्रम से सभी वर्गों को लाभ मिल रहा है। कार्यक्रम को फाजिलनगर के विधायक सुरेंद्र कुशवाहा, जिलाध्यक्ष दुर्गेश राय, पंचायत प्रकोष्ठ के क्षेत्रीय संयोजक अजय तिवारी, पूर्व जिलाध्यक्ष प्रेमचंद्र मिश्र, ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि धनंजय तिवारी, पूर्व ब्लॉक प्रमुख विजय राय, चेयरमैन सोनिया जायसवाल, समाज कल्याण विभाग के प्रभारी सहायक अधिकारी अरुणेंद्र कुमार, बीडीओ सेवरही अनिल राय आदि ने संबोधित किया। इस दौरान पूर्व चेयरमैन त्रिभुवन जायसवाल, दुदही के बीडीओ राजाराम कुशवाहा, ज्वाइंट बीडीओ दुर्गा प्रसाद प्रजापति, ललन गोड़, रमेश ब्याहुत आदि मौजूद रहे।

संस्कृति मंच रामोत्सव में कबीरी निर्गुण में रमे श्रोता

विशिष्ट अतिथि डा त्रिपाठी ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया कार्यक्रम का शुभारंभ

(डॉ अजय तिवारी
जिला संवाददाता)

अयोध्या। गुरुकुल महाविद्यालय साहित्य– संस्कृति मंच पर रविवार को कबीरी निर्गुण गायन कार्यक्रम में प्रयागराज से आए लोकेश शुक्ल ने कबीर के भजनों और निर्गुण पदों को शास्त्रीय सांगीतिक परंपरा में प्रस्तुत करके वहां पर उपस्थित सभी श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। उन्होंने प्रभु जी तुम चंदन हम पानी, मन लागो मेरो यार फकीरी में,बीते गए दिन भजन बिना, सुमिरन कर ले मेरा मन सहित एक से बढ़कर एक पदों को अपने मधुर कंठ गायकी से प्रस्तुत करके वहां का समूचा वातावरण भक्तिमय बना दिया।इस कार्यक्रम में विमल बावरा और उनके साथियों ने चदरिया झीनी रे झीनी गाकर सभी को खद्बूब आनंदित किया।इसके अलावा उन्होंने मालवा, राजस्थानी, बिहारी कबीरी निर्गुण प्रस्तुत करके कबीर के पदों का वैविध्य प्रदर्शित किया।इससे पहले इस कार्यक्रम में पधारे विशिष्ट अतिथि डॉ अंबिकेश त्रिपाठी एवं मंच के नोडल आशुतोष द्विवेदी ने संयुक्त रुप से दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।इस मौके पर डॉ परेश पाण्डेय, सदक ए हुसैन (मंच संचालक),सुधीर मल्होत्रा आदि उपस्थित रहे।

स्मार्ट फोन पाते ही छात्र/छात्राओं के खिले चेहरे

सुजानगंज। क्षेत्र के मुनेश्वर महाविद्यालय विशपालपुर बरईपार में निःशुल्क स्मार्टफोन वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में ब्लाक प्रमुख प्र श्रीप्रकाश शुक्ल रहे वहीं पर स्मार्ट फोन वितरण के दौरान श्री शुक्ल ने कहा कि स्मार्ट फोन वितरित करना सरकार की बड़ी उपलब्धि है और जिसे बड़े ही रोचक

तरीके से विद्यार्थियों को प्रदान किया जा रहा है जिससे उन्हें शिक्षा में उत्पन्न होने वाली समस्याओं का समाधान मिल सके और प्रदेश सरकार की अन्य योजनाओं पर प्रकाश डालते हुए विद्यालय परिवार का धन्यावाद ज्ञापित किया. इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य राजेश कुमार यादव , प्रबंधक सुरेंद्र यादव , नीरज दूबे,सुधीर तिवारी सहित अन्य उपस्थित रहें, संचालन जयहिंद यादव ने किया ।

सिल्क इंडिया 2024 प्रदर्शनी की शुरुआत हुई

–इसका उद्घाटन मुख्य अतिथि लखनऊ उत्तर से भाजपा विधायक डा. नीरज बोरा एवं अली जैदी, अध्यक्ष, उत्तर प्रदेश शिया सेंट्रल वक्फ बोर्ड ने किया।

– बारादरी में चार दिवसीय प्रदर्शनी में सिल्क साड़ी, सूट, कुर्तास एंड कुर्ती, स्टोल्स, तुषार सिल्क और शांतिपुर सिल्क मौजूद।

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। कैसरबाग स्थित बारादरी में चार दिवसीय सिल्क इंडिया 2024 प्रदर्शिनी की शुरुआत हुई। जिसमें पूरे भारत के अलग–अलग कोनों से आये व्यक्तियों ने तरह–तरह की साड़ी उत्पादों के स्टॉल लगाए हैं। इसका उद्घाटन लखनऊ उत्तर से भाजपा विधायक डॉ नीरज बोरा एवं अली जैदी अध्यक्ष, उत्तर प्रदेश शिया सेंट्रल वक्फ बोर्ड जी ने किया। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों से शहर में खुशहाली का माहौल बना रहता है। इस मौके, एमटीवी मॉडल मोहनीश सवितर,और जावेद मकसूद उपस्थित रहे। प्रदर्शनी के ओर्गानिजर मानस आचार्य ने बताया कि ष्इस सिल्क इंडिया प्रदर्शनी में अलग–अलग राज्यों से आये बुनकरों के पास विभिन्न प्रकार के मटेरियल से बनी साड़ी, सूट, स्टोल्स , ड्रेस मैटेरियल, दुपट्टा,और ब्राइडल वियर सिल्क कॉटन साड़ी, कुर्ती, टॉप, खादी शर्ट, फैशन जूलरी बेड सीट, भदोही

की कालीन, ज्वैलरी और गोल्ड ज्वीलरी, और इस प्रदर्शन में दो लाख तक की सारी भी उपलध हैं जो गोल्ड तार से बनाई गई हैं। प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए एम टीवी अभिनेता मोहनीश सवितर ने कहा कि हमारी सरकार बुनकरों के काम को बढ़ावा देने के लिए कर रही है, ताकि उनका कारोबार आगे बढ़ता रहे। इस जगह पर विभिन्न राज्यों के उत्पाद बुनकरों द्वारा तैयार किये गए हैं, जो सीधे ग्राहकों को मिला रहा है। यह सराहनीय पहल है और उन्होंने कहा उत्तर प्रदेश के लखनऊ शहर में एक ही छत के नीचे सब कुछ उपलब्ध है। आरजे इवेंट्स एंड प्रोडक्शंस के ब्रांड एंबेसडर मोहनीश के अनुसार, प्रदर्शनी में उत्तर प्रदेश की मुलबारी सिल्क, जामदानी व जमावार सिल्क साड़ी उपलब्ध है। उड़ीसा की संभालपुरी इक्कट सिल्क साड़ी, बिहार की ऑर्गेनिक तसर सिल्क साड़ी, असम की मूगा सिल्क साड़ी, कर्नाटक की क्रीप सिल्क जॉर्जेट साड़ी, तमिलनाडु की कांजीवरम साड़ी, उत्तर प्रदेश की मलबेरी सिल्क साड़ी, महाराष्ट्र के डिजाइनर ड्रेस मटेरियल, छत्तीसगढ़ की एक्सक्लूसिव सिल्क साड़ी, मध्य प्रदेश की महेश्वरी साड़ी, वेस्ट बंगाल की बलूचारी साड़ी और तमाम राज्यों से जम्मू कश्मीर पंजाब तमाम राज्यों से बहुत शानदार स्टॉल्स का आयोजन किया गया और बहुत ही अच्छी वैरायटी है, ये प्रदर्शनी 27 फरवरी तक चलेंगी। इस चार दिवसीय प्रदर्शनी में 100 स्टॉल लगेगे।

नागरिकों के जीवन में खुशहाली और समद्धि लाने के प्रयास किये जा रहे हैं – अनिल कुमार पांडेय

हरदोई(अम्बरीष कुमार सक्सेना)

नगर पालिका परिषद द्वारा सिकंदरपुर कल्लू के पूर्व माध्यमिक विद्यालय में आयोजित विकसित भारत संकल्प यात्रा कार्यक्रम में भारतीय जनता पार्टी के मण्डल अध्यक्ष अनिल कुमार पांडे ने कहा कि केन्द्र और राज्य शासन द्वारा समाज के सभी वर्गो के लिए योजनाएं संचालित की जा रही हैं। पहले योजनाओं का लाभ लेने के लिए नागरिकों को कई बार कार्यालयों में जाना पड़ता था। लेकिन अब विकसित भारत संकल्प यात्रा के माध्यम से अधिकारी स्वयं नागरिकों के पास पहुंच रहे हैं और नागरिकों से आवेदन प्राप्त कर रहे हैं। तथा अनेक हितग्राहियों को पात्रतानुसार योजनाओं के हितलाभ भी वितरित किए गए हैं। कहा कि कई बार दूर–दराज के क्षेत्रों में रहने वाले नागरिकों को योजनाओं की जानकारी नहीं होने के कारण योजनाओं का लाभ नही मिल पाता। विकसित भारत संकल्प यात्रा में प्रचार माध्यमों से शासन द्वारा संचालित कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दूर–दराज में पात्र और जरूरतमंद नागरिकों तक पहुंच रही है और योजनाओं के माध्यम से उनके जीवन में खुशहाली और समद्धि लाने के प्रयास किये जा रहें है। नागरिक योजनाओं को समझें और पात्रतानुसार उनका लाभ उठाते हुए विकास की मुख्य धारा से जुड़ें। सभी वर्ग के नागरिक आगे बढ़ेंगे, उनका आर्थिक विकास होगा तो देश भी आगे बढ़ेगा और विकसित भारत का सपना साकार होगा। श्री पांडे ने कहा कि प्रधानमंत्री गरीब कल्याण, प्रधानमंत्री आवास, आयुष्मान भारत, प्रधानमंत्री उज्ज्वला जैसी अनेक योजनाएं प्रधानमंत्री नरेन्द्र

मोदी की अभिनव पहल हैं। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, सुरक्षा बीमा, जीवन ज्योति एवं अटल पेंशन योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्ति तक पहुंचाया जा रहा है, स्वसहायता समूह की महिलाएं आत्मनिर्भर हो रही है। सरकार द्वारा महिला सशक्तिकरण के लिए महत्वपूर्ण कार्य किए गए हैं और इनके सकारात्मक परिणाम भी मिल रहे हैं। आज महिलाएं योजना का लाभ लेकर ना सिर्फ आत्मनिर्भर बन रहीं हैं बल्कि परिवार के आर्थिक विकास और उन्नति में भी योगदान दे रहीं हैं। उच्च शिक्षा राज्य मंत्री रजनी तिवारी के कार्यालय प्रभारी सुभाष रस्तोगी ने कहा कि आज यहां कार्यक्रम में अनेक महिलाओं ने योजनाओं का लाभ मिलने के बाद जीवन में आए बदलावों के बारे में बताया। उन्होंने प्रधानमंत्री उज्जवला योजना का उल्लेख करते हुए कहा कि इस योजना से महिलाओं को बहुत फायदा मिला है। पहले माताएं–बहनें चूल्हे पर रसोई बनाती थी, जिससे निकलने वाला धुंआ माताओं–बहनों के स्वास्थ्य पर बहुत दुष्प्रभाव डालता था। प्रधानमंत्री उज्जवला योजना में माताओं–बहनों को निःशुल्क गैस चूल्हा और कनेक्शन उपलब्ध कराया जा रहा है। इसी प्रकार प्रधानमंत्री आवास योजना में गरीबों को पक्के आवास दिए जा रहे हैं। उन्होंने अपने उद्बोधन के दौरान विकसित भारत संकल्प यात्रा कार्यक्रम के सुव्यवस्थित और गरिमामय आयोजन हेतु नगर पालिका प्रशासन की सराहना भी की। अधिशासी अधिकारी आर आर अंबेश ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बताया कि विकसित भारत संकल्प यात्रा में सरकार की योजनाओं का समुचित प्रचार–प्रसार किया जा रहा है। शिविर आयोजित कर हितग्राहियों को योजनाओं के हितलाभ वितरित किए जा रहे हैं। साथ ही किन्हीं कारणों से योजनाओं के लाभ से शेष रहे नागरिकों से आवेदन लिए जा रहे हैं तथा पात्रतानुसार हितलाभ वितरण की कार्यवाही की जा रही है।

कल आयेगा किसान सम्मान निधि योजना के तहत लाभार्थियों के खातों मे पैसा – डीडी कृषि

अयोध्या। बुधवार को केन्द्र सरकार द्वारा चलाई जा रही अति महत्वाकांक्षी योजनाओं में शामिल किसान सम्मान निधि योजना से लाभान्वित सभी किसानों के खातों में सीधे 16 वीं किस्त दो – हजार रुपये भेज दिया जायेगा।इस बात की जानकारी देते हुए उप निदेशक कृषि डाक्टर संजय कुमार त्रिपाठी ने बताया कि 28 फरवरी को जिले के सभी विकास खण्डों में इस योजना से लाभान्वित सभी किसानों के खातों में यह रुपया चला जाएगा।उन्होंने बताया कि केन्द्र सरकार द्वारा भेजी जा रही इस धनराशि से अनेकों किसानों को अगले खेती के लिए कुछ मदद मिल जाती है। बताते चलें इससे पहले 15 वीं किस्त नवंबर माह में दूसरे व तीसरे सप्ताह के बीच लाभार्थी किसानों के खातों में सीधे दो – दो हजार रुपये केन्द्र सरकार द्वारा भेजा गया था।

कौशल विकास मिशन में छात्रों को किताबें तथा ड्रेस वितरण किया गया

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन, लखनऊ के अंतर्गत जिया मार्केटिंग प्राइवेट लिमिटेड संस्था, RAS डिग्री कॉलेज, अलीनगर सुनेहरा, कृष्णा नगर, लखनऊ में हेल्थकेयर सेक्टर में नर्सिंग (जनरल ड्यूटी असिस्टेंट) के छात्रों को किताबें तथा यूनिफार्म वितरण किया गया। जिसमे संस्था के मैनेजिंग डायरेक्टर इंजिनियर पी कुमार यादव, विवेक सिंह जिला प्रोग्राम मैनेजमेंट यूनिट लखनऊ, उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन, प्रवीण प्रजापति रीजनल हेड, अभिषेक राज यादव डिस्ट्रिक्ट हेड, काजल जयसवाल डिस्ट्रिक्ट कोऑर्डिनेटर तथा सेण्टर के समस्त स्टाफ भी मौजूद रहे।

नगला साला - आर्य समाज वार्षिक उत्सव संपन्न

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

नारसन, हरिद्वार। नगला साला– आर्य समाज का छठ वार्षिक उत्सव बड़ी धूमधाम से संपन्न हुआ। आर्य समाज के उत्सव में स्वामी सत्यानंद जी महाराज, महाशय गौतम महाराज आर्य जी के प्रवचन का लाभ तथा भजन उपदेशक अमरेश कुमार आर्य जी के करण प्रिय भजनों का आनंद उपस्थित श्रद्धालु भक्तों ने उठाया।

अपने उद्बोधन में स्वामी सत्यानंद जी ने कहा कि आर्य समाज ने सनातन धर्म को सुव्यवस्थित दिशा दी। वहीं दूसरी ओर गौतम आर्य जी ने महर्षि स्वामी दयानंद सरस्वती जी के जीवन पर प्रकाश डाला।

भजनों उपदेश अमरेश कुमार आर्य के सु मधुरभजनों को सुनकर उपस्थित श्रद्धालु भक्त जन मंत्र मुग्धा हो गए।

वार्षिक उत्सव के अवसर पर पुरोहित जगपाल जी तथा अरुण कुमार आर्य जी द्वारा यज्ञ संपन्न कराया गया इस अवसर पर जजमान पवन कुमार राणा रहे।

डॉक्टर सविता आर्य जी गुरुकुल लक्सर के बालक तथा बालिकाओं द्वारा भजनों की प्रस्तुतीकरण उपस्थित श्रद्धालुओं का ध्यान आकर्षित करने में सफल रहे।

संरक्षक वेदपाल सिंह आर्य, प्रधान आनंद पाल सिंह आर्य, कोषाध्यक्ष अरविंद कुमार आर्य ने उपस्थित श्रद्धालुओं तथा विद्वानों का आभार प्रकट किया।

आर्य समाज के मंत्री पवन राणा ने उपस्थित विद्वानों का अंग वस्त्र पहनकर स्वागत किया। उत्सव में उधम सिंह, सोहनलाल, वेदपाल, कुमार, आलोक कुमार द्विवेदी, चंद्रपाल सिंह आर्य, रामपाल आर्य, रवि राणा, डॉक्टरजगपाल सिंह आदि श्रद्धालु उपस्थित रहे।

अंत में श्रद्धालुओं ने ऋषि लंगर में प्रसाद ग्रहण कर धार्मिक और अनुष्ठान का लाभ उठाया।

जेसीपी,डीसीपी ने रेलवे स्टेशन गोमती नगर लखनऊ का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया गया

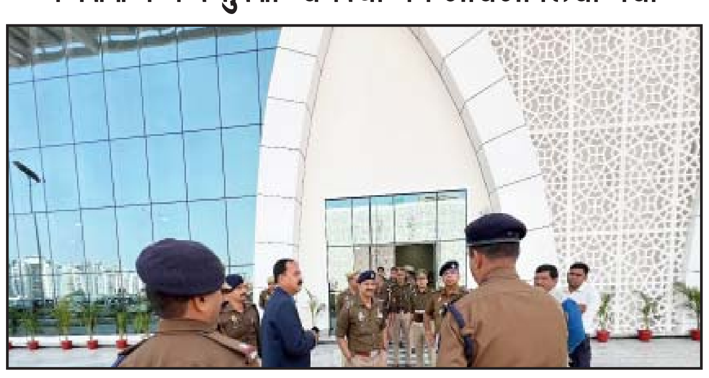

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। संयुक्त पुलिस आयुक्त अपराध एवं मुख्यालय लखनऊ व पुलिस उपायुक्त पूर्वी लखनऊ द्वारा दिनांक 26.02. 2024 को अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत प्रस्तावित रेलवे स्टेशन गोमती नगर लखनऊ का शिलान्यास एवं शुभारंभ कार्यक्रम के दृष्टिगत रेलवे स्टेशन गोमती नगर लखनऊ का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया गया तथा संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए।

आरबीआई के वित्तीय साक्षरता सप्ताह 2024 का शुभारंभ

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। भारतीय रिजर्व बैंक देश भर में वित्तीय शिक्षा संदेशों का प्रचार–प्रसार करने के लिए 2016 से प्रत्येक वर्ष साक्षरता सप्ताह आयोजित कर रहा है। अपने वित्तीय साक्षरता आउटरीच में छात्रों और युवा वयस्कों पर ध्यान केंद्रित करते हुए, इस वर्ष के वित्तीय साक्षरता सप्ताह की थीम, ष्करो सही शुरुआत, बनो वित्तीय स्मार्टष् की संकल्पना की गई है। इसका उद्देश्य जनता को अपने वित्तीय भविष्य की जिम्मेदारी लेने के लिए सशक्त बनाने के लिए वित्तीय आघात सहनीयता तैयार करना है। वित्तीय साक्षरता सप्ताह 2024, 26 फरवरी से 01 मार्च 2024 के बीच मनाया जा रहा है। इस दौरान बचत और कंपाउंडिंग की शक्ति, छात्रों के लिए बैंकिंग आवश्यकताएँ और डिजिटल और साइबर स्वच्छता के बारे में जागरूकता का प्रसार करने पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा आरबीआई, लखनऊ छात्र समूहों और युवा वयस्कों को लक्षित करते हुए कई आउटरीच कार्यक्रम किए जा रहे हैं। गतिविधियों में उत्तर प्रदेश के सभी 75 जिलों में बड़े पैमाने पर जनता के लिए वित्तीय साक्षरता कार्यक्रमों का आयोजन और छात्रों, ट्रांसजेंडर, दिव्यांगों और अनाथालयों के बच्चों के लिए विशेष साक्षरता शिविरों के माध्यम से प्रसार शामिल है। इन कार्यक्रमों में भारतीय रिजर्व बैंक के अधिकारी भी भाग लेंगे। बैंकों को सूचित किया गया है कि वे आरबीआई द्वारा तैयार की गई सामग्री को अपनी वेबसाइटों, एटीएम, मोबाइल एप्लिकेशन और अपनी शाखाओं में लगे हुए डिजिटल डिस्प्ले बोर्ड पर प्रदर्शित करें। आरबीआई लखनऊ मेट्रो स्टेशनों, चारबाग रेलवे स्टेशन, लखनऊ जंक्शन और राजधानी के प्रमुख स्थानों पर एलईडी और डिजिटल स्क्रीन के माध्यम से चुने हुए विषय पर आवश्यक वित्तीय जागरूकता संदेश प्रसारित करने के लिए एक मास मीडिया अभियान भी चला रहा है। उत्साह को बढ़ाने के लिए, राज्य भर में नुक्कड़ नाटक और मैजिक शो आयोजित किए जा रहे हैं। एफएलडब्ल्यू 2024 उद्घाटन समारोह का शुभारंभ 26 फरवरी, 2024 को आरबीआई, लखनऊ में

डॉ. बालू कैचप्पा, क्षेत्रीय निदेशक, भारतीय रिजर्व बैंक, लखनऊ, श्री ईशान शुक्ला, क्षेत्रीय निदेशक, भारतीय रिजर्व बैंक, कानपुर, सीजीएम–भारतीय स्टेट बैंक, उपमहाप्रबंधक–नाबार्ड और सभी प्रमुख बैंकों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ –साथ शिक्षा विभाग एवं यूपीएसआरएलएम, और आरबीआई के अधिकारियों की उपस्थिति में किया गया। इसके पश्चात साक्षरता पोस्टरों का अनावरण और एफएलडब्ल्यू थीम के साथ स्काई बैलून का अनावरण किया गया। श्रोताओं को संबोधित करते हुए, क्षेत्रीय निदेशक महोदय, लखनऊ कार्यालय, ने उल्लेख किया कि वित्तीय साक्षरता, ग्राहक सुरक्षा और शिकायत निवारण स्थायी वित्तीय समावेशन को आगे बढ़ाने के लिए फोकस के क्षेत्र रहे हैं। क्रेडिट, निवेश, बीमा और पेंशन से संबंधित वित्तीय उत्पादों तक अधिक पहुंच की आवश्यकता का समर्थन करते हुए, उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित करना सभी हितधारकों की जिम्मेदारी है कि वित्तीय पारिस्थितिकी तंत्र (डिजिटल माध्यम सहित) समावेशी हो और जोखिमों जैसे कि गलत– बिक्री, साइबर सुरक्षा, डेटा गोपनीयता को प्रभावी ढंग से संबोधित करने में सक्षम हों।उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि डिजिटल विकास के इस युग में, साइबर स्वच्छता के बारे में जागरूकता बढ़ाना हमारे प्रौद्योगिकी–संचालित समाज के लिए जरूरी है क्योंकि यह मानवता और प्रौद्योगिकी के बीच एक स्थायी और सामंजस्यपूर्ण सह–अस्तित्व को बढ़ावा देता है, जिससे एक उज्जवल और अधिक संतुलित भविष्य सुनिश्चित होता है। उन्होंने सभी को सुरक्षा–केंद्रित मानसिकता और आदतें विकसित करनेध्अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया जो व्यक्तियों और संगठनों को संभावित ऑनलाइन उल्लंघनों को कम करने में मदद करती हैं जैसे कि पिन (व्यक्तिगत पहचान संख्या), पासवर्ड और क्रेडिट अथवा डेबिट कार्ड नंबर, सीवीवी, आदि को निजी रखना और गोपनीय वित्तीय जानकारी को बैंकोंध् वित्तीय संस्थानों, दोस्तों अथवा यहां तक कि परिवार के सदस्यों के साथ साझा करने से बचना चाहिए। क्षेत्रीय निदेशक ने सभी हितधारकों से वित्तीय साक्षरता सप्ताह 2024 के संदेशों को यथासंभव व्यापक रूप से प्रचारित करने का आग्रह किया।

समाज कार्य विभाग में हुई कारागार सुधार संस्कृति पर चर्चा

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के समाज कार्य विभाग में जेल संस्कृति सुधार पर एक व्याख्यान का आयोजन किया गया जिसमें मानव केंद्रित अभिकल्पना के माध्यम से पुनर्वास को बढ़ावा देने पर चर्चा की गई। कार्यक्रम में बतौर 'मुख्य अतिथि डीजी होमगार्ड उत्तर प्रदेश श्री विजय कुमार मौर्य' उपस्थित थे। अपने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए बताया कि अपराधा को रोकने में विश्वविद्यालय की एवं भूमिका होती है यहां बच्चे समाज के एक जिम्मेदार नागरिक बनने के साथ–साथ एक उत्कृष्ट व्यक्ति भी बनते हैं। आपने समाज कार्य विभाग में संचालित क्रिमिनोलॉजी एवं क्रिमिनल जस्टिस एडमिनिस्ट्रेशन कोर्स का जिक्र करते हुए कहा कि इस कोर्स में पढ़ रहे हैं शिक्षक और छात्रों की मध्य भूमिका जेल सुधार में हो सकती है क्योंकि यहां से घर के साथ प्राप्त सुधार का व्यावहारिक प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है इस कोर्स के छात्र और शिक्षक अपने अनुभव द्वारा निश्चय ही सजा पूर्ण करने वाले व्यक्तियों के पुनर्वास हेतु एक बेहतर व्यवस्था स्थापित कर सकते हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता समाज कार्य विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. राकेश द्विवेदी ने की । सभा को संबोधित करते हुए आपने बताया कि समाज कार्य विभाग का सुधारात्मक क्रिया से पुराना संबंध है। समाज कार्य विभाग अपने पाठ्यक्रम में भी समाज के विभिन्न सुधारात्मक पहलुओं का अध्ययन विद्यार्थियों को करता है। अपराध के पश्चात कैदियों के पुनर्वास की व्यवस्था समाज कार्य विभाग के विद्यार्थियों द्वारा बेहतर तरीके से की जा सकती है। अपने जाल में बंद अपराधियों के सुधारात्मक प्रणाली पर चर्चा करते हुए बताया कि अपराधियों की मानसिक स्थिति पर काम करने के साथ समय से उनकी काउंसलिंग

भी करनी चाहिए ताकि उन्हें फिर से स्वस्थ रूप में समाज की मुख्य धारा से जोड़ा जा सके। विशेषज्ञों के उद्बोधन के पश्चात एक खुले सत्र का आयोजन किया गया जिसमें विद्यार्थियों ने आईपीएस अधिकारी श्री बीके मौर्य जी से अपनी जिज्ञासाओं को प्रकट करते हुए प्रश्न पूछे जिनका उत्तर डीजी होमगार्ड जी ने बच्चों के मध्य बड़ी सुगमता से रखा। कार्यक्रम का संचालन समाज कार्य विभाग के शिक्षक डॉ उमेंद्र यादव द्वारा किया गया। कार्यक्रम में समाज कार्य विभाग के समस्त शिक्षक, विद्यार्थी, शोधार्थी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक **देश की उपासना**

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव
मो0 – 7007415808, 9628325542, 9415034002
RNI सन्दर्भ संख्या – 24/234/2019/R/-1
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।